

हमरासभक बात : राष्ट्रिय समाचार समिति मैथिली भाषामें समाचार सुरु केने अछि । हमरासभक पाठकसभ, मैथिली समुदायके सेहो छनि । जाँहिकरण हमसभ हमरासभक पाठकसभसँग आत्मीयताक लेल मैथिली समाचार सुरु केने छि ।
अपनैसभक सल्लाह, सुझाव आ प्रतिक्रियाक अपेक्षा करैत छिं । - सम्पादक

आयसँ कोप-२९

नेपाल जलवायुजन्य जोखिम के उदाहरण प्रस्तुत करैत



जनकपुरधाम ।

सोलुखुम्बुके खुम्बु पासडलहुमु गाउँपालिकाके थामेमे पछिला साउन ३२ गते दुपहरमे अचानक बाढि आबि गेल छल । स्थानीय लोक के ई नहि लागल जे अचानक बाढि आबि जायत । देखैत-देखैत क्षणिक भरमे बाढीसँ थामे गाउँ दलदल मे बदलि गेल । ‘अखुनतो ओ घटना सपना जकाँ बुझाइत अइछ,’ खुम्बु पासडलहुमु गाउँपालिकाके अध्यक्ष ठासी ल्हामू शेर्पा लेल । ‘हम सब जलवायु जोखिमके चपेटमे छी,’ ओ कहैत छइथ, ‘कोन दिन हिमस्खलन क शिकार होइत, एहि ठामक निवासी एहि बात क चिंता मे छइथ ।’ वितल आसिन १०, ११ आ १२ गते काठमाण्डू उपत्यका सहित देशक अधिकांश स्थानमे वर्षाक कारण आएल विपद् एखनो लोकके डरा दैत अइछ । राष्ट्रीय विपद् जोखिम न्यूनीकरण आ व्यवस्थापन प्राधिकरणके आंकड़ाके अनुसार, पछिला तीन दिनमे २५० लोकके जान चइल गेल । १८ लोक एखनो लापता अइछ । कुल १७८ लोक घायल भेल छल । प्राधिकरण

आंकड़ाके अनुसार, लगभग ६,००० निजी घर क्षतिग्रस्त भेल अइछ । प्राधिकरणके तथ्याङ्कअनुसार अइ वर्ष मनसुनजन्य विपद्के कारण चार सय ९५ गोटेके अकालमे जान गेल त ६६ गोटेके बेपत्ता तथा पाँच सय २२ गोटे घायल भेल छइथ । जलवायु परिवर्तनसँ भेल एहन जोखिमके बहुतेक घटनासभ अइछ । आईसँ अरजरबैजानक बाकुमे भरहल जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसङ्घीय संरचना महासन्धि (युएनएफसीसीसी) के पक्ष राष्ट्रसभक २९ औं सम्मेलन (कोप-२९) सुरु भेल अइछ । ओ सम्मेलन नोभेम्बर २२ तारिख (अगहन ७ गते) धेर चलत । नेपालक देससँ ओ सम्मेलनमे सहभागी होबाक लेल राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल रविवारके दिन बाकु प्रस्थान केने छैथ । ओ अइ साल कोपमे हिमाल तथा पृथ्वीके सुरक्षाक लेल ध्यान केन्द्रिय कराएत । एक सय ९२ सँ बेसी देशके राष्ट्रप्रमुखसँ उच्च पदस्थ अधिकारीसभ समक्ष ओ हिमालक सुरक्षाके मुद्दाकेँ

प्राथमिकताके सङ प्रस्तुत करबाक कार्यक्रम तय भेल राष्ट्रपतिके सचिवालय जनौलक अइछ । जलवायुविद् मञ्जित ढकाल सेहो जलवायुजन्य जोखिमके ज्वलन्त उदाहरणके लेल नेपाल कोपमे प्रस्तुत करएबला एजेण्डा कार्यान्वयनक लेल बेसी सहयोग होबाक बातलैन अइछ । जलवायुक बढैत जोखिमके घटेबाक लेल पैरवी एसियाली विकास बैंक (एडीबी) क शोधसँ जलवायु परिवर्तनक प्रभावसँ विकासशील एसिया तथा प्रशान्त क्षेत्रमे कूल गार्हस्थ उत्पादन (जीडीपी) केँ सन् २०७० धेर १७ प्रतिशत घटत से देखेने अइछ । अन्तर्राष्ट्रिय एकीकृत पर्वतीय विकास केन्द्र (इसिमोड) के अध्ययनअनुसार हिन्दुकुश हिमालय क्षेत्रमे जलवायु परिवर्तनके असर विश्वके औसतसँ तीन गुणा बेसी अइछ । इसिमोडके अनुसार उक्त क्षेत्रमे सन् २०११ सँ सन् २०२० के एक दशकके तुलनामे हिमनदी पघलबाक क्रम ६५ प्रतिशतसँ वृद्धि भेल अइछ । पर्वतीय क्षेत्रमे भेल जलवायु परिवर्तनक प्रभाव न्यूनीकरण आ अन्य जलवायुजन्य जोखिम



घटेबाक लेल विश्व समुदायकेँ नेपाललगायत विकासोन्मुख देशसभ दबाब देबाक तैयारी अइछ । कोपके मुख्य छ एजेण्डा जलवायुजन्य जोखिम न्यूनीकरण करबाक लेल पुरा देशक हितके लेल सरकार मुख्य छ टा एजेण्डाकेँ उच्च प्राथमिता देने छइथ । वन तथा वातावरण मन्त्रालयक

अनुसार जलवायु वित्त, जलवायुजन्य हानी नोक्सानी, न्यूनीकरण कार्बन व्यापार, उत्सर्जन मापन, पर्वतीय मुद्दा प्रविधि आ क्षमता अभिवृद्धि, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, समावेशितालगायत छ टा विषयगत कार्यपत्र तैयार भेल जानकारी देलैन । ‘नेपालक राष्ट्रिय स्थितिपल

सेहो तैयार क कोपमे आइन चुकल छी, अइमे राष्ट्रिय अवधारणपत्र, जलवायु अनुकूलन, जलवायु वित्त, कृषि आ खाद्य प्रणाली, स्वास्थ्य आ जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सङ्कमण आ दक्षता, पाइन (पानी) आ जलवायुजन्य कार्य, जलवायुके लेल प्रकृतिलगायत

विषयवस्तुसभ समावेश केने अइछ,’ मन्त्रालयक सहसचिव डा बुद्धि पौडेल कहलैन । वितल साल युएङ्के दुबईमे कोप-२८ मे स्थापना कएल जलवायुजन्य हानी-नोक्सानीसम्बन्धी कोषके प्रभावकारी कार्यान्वयनके लेल दबाब देबाक तैयारी भ रहल अइछ । रासस

राष्ट्रपति पौडेल आ

महासचिव गुटेरेसबीच भेट

राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल आ संयुक्त राष्ट्रसङ्घके महासचिव एन्टेनियो गुटेरेसबीच संक्षिप्त भेटघाट भेल अइछ । जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्र सङ्घीय संरचना महासन्धि पक्ष राष्ट्रसभक २९औं सम्मेलन (कोप-२९) मे सहभागी होबाक लेल कतारक दोहासँ अजरबैजानक बाकु जेबाक क्रममे जहाजमे हुनकासभके भेट भेल अइछ । भेटमे हुनकासभहक बीच जलवायु परिवर्तनसँ उत्पन्न समस्याबारेमे संक्षिप्त बातचित भेल अइछ । ‘जलवायु परिवर्तन अपनासभके साझिया समस्या छी । हिमाल, पृथ्वी आ मानव समुदायक रक्षक लेल, ई समस्या समाधानक लेल अपनासभके एक होइ पड़ैत’, बातचितके क्रममे राष्ट्रपति पौडेलके भनाइ उदत करैत हुनकर प्रेस सल्लाहकार किरण पोखरेल जानकारी देलैन । महासचिव गुटेरेस राष्ट्रपति पौडेल बसैल ठामँ आइब भेटने छलैथ । आईसँ सुरु भेल कोप-२९ सम्मेलनमे भाग होबाक लेल उच्चस्तरीय नेपाली प्रतिनिधिमण्डलके नेतृत्व करैत राष्ट्रपति पौडेल कतारक दोहा होइत अजरबैजान आइब गेल छइथ ।

देशभैर शंखधर दिवस मनाएल जा रहल

नेपाल संवत्के प्रवर्तक शङ्खधर साखाः लोक कल्याणकारी काजकेँ संस्मरण करैत आइ देशभैर २५औं शंखधर दिवस मनाएल जा रहल अइछ । साखाः देशक सम्पूर्ण जनताके कृणमोचन क लोक कल्याणकारी काज केलाक बाद देशके नामसँ नेपाल संवत् शुरू केने छलाह । तत्कालीन कृष्णप्रसाद भट्टराई नेतृत्वक मन्त्रिपरिषद् वपुह ऐतिहासिक पुरुषके लोक कल्याणकारी काजके सम्मान स्वरूप २०५६ अगहन २ गते (११२० कछलाख दशमी)के दिन

साखाःकेँ राष्ट्रिय विभूति घोषणा केने छल । हरेक वर्ष कछलाख दशमीके दिन देशभैर नेवाः समुदाय शङ्खधर दिवसक रुपमे विभिन्न कार्यक्रमके आयोजन क हुनकाप्रति सम्मान अर्पण करैत आएल छइथ । शंखधर दिवसक अवसरमे न्हू दै ११४५ राष्ट्रिय समारोह समितिक आब्हान आ काठमाण्डू वाड नं १५, २७ आ २८ के विभिन्न सङ्घ संस्थाद्वारा आइ वाड नं १५ चागल, लखुतीर्थमे आयोजित समारोहमे शङ्खधरके सालिकमे

माल्यापर्ण क सम्मान अर्पण कएल गेल छल । ताहि अवसरमे उपप्रधानमन्त्री तथा सहरी विकासमन्त्री प्रकाशमान सिंह ऐतिहासक पुरुष शङ्खधरके बारेमे अध्ययन अनुसन्धान क अज्ञात तथ्यसभ बाहर अनबाक लेल एक प्रतिष्ठान बनेबाक अभियानमे प्रयास करबाक लेल सबसँ आग्रह कैलैन ।

समितिका अध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद श्रेष्ठले शंखधर कुनै कालपनिक पाल नभई इतिहास पुरुष होइत अइछ कहैत ओ हुनका सन उदार हृदयसँ सामाजिक न्यायक दिशा मे आगू बढबाक कामना कैलन । कार्यक्रममे न्हूदँ राष्ट्रिय संरक्षण समाजक अध्यक्ष प्राडा नरेशमान बज्राचार्य, नेवा देय् दबूक अध्यक्ष पवित बज्राचार्य,

अधिकारकर्मी मल्ल के सुन्दर, पूर्व मन्त्री भीमसेनदास प्रधानलगायत व्यक्तित्वसभ उपस्थित छलैथ । भद्रमति आ विष्णुमति नदीक सङ्गम स्थल लखुतीर्थमे शुभसाइत देख शङ्खधरद्वारा निकलबाओल गेल बाउल सोनामे परिणत भेल आ तहिसँ कृणमोचन कदेलैन से जनविश्वास अइछ । रासस

पाकिस्तानक प्रधानमन्त्रीसङ राजदूत अधिकारीक बिदाइ भेट



पाकिस्तानके लेल नेपाली राजदूत तपस अधिकारी पाकिस्तानक प्रधानमन्त्री मुहम्मद सहबाज सरिफसँ बिदाइ भेट कैलैन अइछ । अपन कार्यकाल पूरा क स्वदेश अपबाक क्रममे राजदूत अधिकारी इस्लामाबादस्थित प्रधानमन्त्री कार्यालयमे बिदाइ भेट केने छइथ । तइ अवसरमे नेपाल आ पाकिस्तानबीचके द्विपक्षीय सम्बन्ध, दक्षिण एसियाली सहयोग सङ्गठन (सार्क) मार्फत क्षेत्रीय सहकार्यलगायतके विषयमे बातचित भेल ओहिठामकेँ नेपाली दूतावास जनौलक अइछ ।

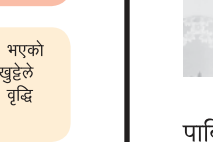
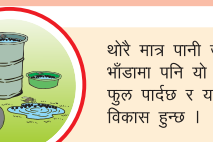
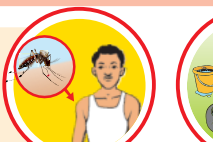
पाकिस्तानक प्रधानमन्त्री सरिफ राजदूत अधिकारीके कार्यकालमे दुनु देशके बीच सम्बन्ध आओर मजबुद भेल उल्लेख करैत अधिकारीके अगिला कार्यकाल सुखद् रहौक से हो कामना केने छइथ । ताहि अवसरमे पाकिस्तानके उपप्रधानमन्त्री, परराष्ट्रमन्त्री मुहम्मद इशक दर, प्रधानमन्त्री सरिफके परराष्ट्र मामिलासम्बन्धी विशेष सहायक तारिक फतेमी, पाकिस्तानके परराष्ट्र सचिव अमना बोलाचक सङ नेपाली दूतावास उपप्रमुख लोकबहादुर क्षेत्रीलगायतके उपस्थिति छल ।



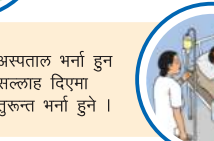
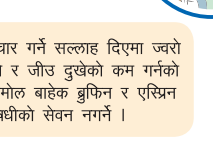
सुरक्षित रहौं
रोकथाम गरौं
नियन्त्रण गरौं

डेंगी भाइरसको संक्रमणबाट बच्ने उपायहरू

डेंगीका मुख्य लक्षणहरू



डेंगीका लक्षणहरू देखिएमा के गर्ने ?



(*चिकित्सकको सल्लाह नलिईकन कुनै पनि औषधी सेवन नगर्ने)

लामखुट्टेले फुल पार्न सक्ने संभावित घर भित्र र वरपरका पानी जमेको ठाउँहरू र पानी राख्ने भाडाहरू खोजी खोजी सफा गरौ र लामखुट्टेको फुल नष्ट गरौ ।



प्रसौनी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

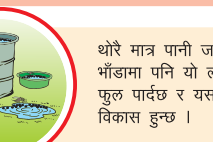
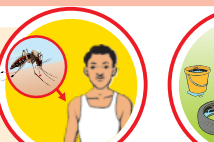
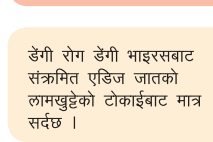
बबारा, मधेश प्रदेश



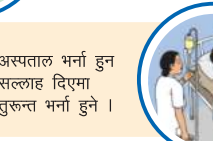
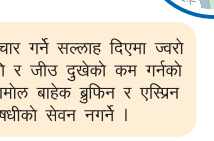
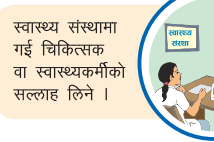
सुरक्षित रहौं
रोकथाम गरौं
नियन्त्रण गरौं

डेंगी भाइरसको संक्रमणबाट बच्ने उपायहरू

डेंगीका मुख्य लक्षणहरू



डेंगीका लक्षणहरू देखिएमा के गर्ने ?



(*चिकित्सकको सल्लाह नलिईकन कुनै पनि औषधी सेवन नगर्ने)

लामखुट्टेले फुल पार्न सक्ने संभावित घर भित्र र वरपरका पानी जमेको ठाउँहरू र पानी राख्ने भाडाहरू खोजी खोजी सफा गरौ र लामखुट्टेको फुल नष्ट गरौ ।



जगरनाथपुर गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

पर्सा, मधेश प्रदेश

छठको ‘सनेस’को मौसम



मधेशदृष्टि
महोत्तरी ।
मधेशको मिथिलाक्षेत्रका दीपावली र छठसहितका मुख्य चाडबाड भर्खर सकिएका छन् । अहिले चाडपर्व सकेसँगै मैथिललाई खेतीपातीमा धान थन्क्याउने र हिउँदेबाली लगाउन भ्याइनभ्याइ छ । यसै व्यस्तताबीच मैथिललाई छठको ‘सनेस’ (कोसेली) पुङ्याउने चटारो छ । छठ सकेका मैथिल परिवारका गृहिणी अहिले नन्द, आमाजु, फुपु सासु, छोरी र मितमितिनी कहाँ कोसेली पठाउन ठकुवा पकाउन तथा भुसुवा (कसार) बटार्न व्यस्त छन् । पर्वको

कोसेली यी सम्बन्धमा पठाउने स्थापित परम्पराले अहिले मिथिलानी (मैथिल गृहिणी) को व्यस्तता बढाएको हो । ‘कति धान काटिएर पसी (काटेको धान खेतमा फिजाएर सुकाइने काम)मा छ, कति बोटमै पाकेर पहुँलपुर छ, वर्षभरि खाने अन्न थन्क्याउनु छ’, भन्नाहा–४ रामनगरकी शान्तिदेवी साह भन्छिन्, ‘यसैबेला छठको सनेस पठाउन पनि भ्याइनभ्याइ छ ।’ तीन छोरी कहाँ कोसेली पठाइसक्नुभएकी उनले अब दुई नन्द र एक फुपुसासु कहाँ पुग बाँकी रहेको बताइन् । गृहिणीहरु कोसेली बनाइरहँदा घरका पुरुषले

खेतीपातीका काम र कोसेली पुङ्याउने कामको चाँजो मिलाउनु परेको छ । धान काट्ने, दाईं गर्ने, थन्क्याउनेदेखि हिउँदे बालीमा गहुँ, चना, मुसुरो छर्ने तथा र उखु तथा आलु रोप्ने बेला यही परेको छ । खेतीपातीका काम र कोसेली पुङ्याउने पारम्परिक काम भ्याउन पर्दा सास फेर्ने फुर्सत नभएको शान्तिका पति हरिदेव साह बताउँछन् । मिथिलामा छठ पर्व सकिएको महिना दिनसम्म ‘सनेस’ पठाइने गरिन्छ । कोसेलीका परिकार घरका गृहिणीले बनाए पनि पुङ्याउन पुरुष नै जानुपर्ने हुँदा अहिले मैथिल परिवार यो पारम्परिक

काममा अल्झेका छन् । मिथिलामा कोसेली पठाउनसँगै एक महिनासम्म घरको खाजामा पनि छठ पर्वकै सामग्री खाजामा प्रयोग गर्ने बाक्लो चलन छ । अहिले बस्तीबस्तीका घरघरै ठकुवा, भुसुवा तयार गरिँदा छन् । पालैपालो समय मिलाएर सनेस पठाइँदो छ । आम रुपमा देखिने यो चलनले पूरै मिथिला क्षेत्रमा अहिले छठको ‘सनेस’को मौसम देखिएको हो । मिथिलामा मनाइने सबैजसो पर्वपछि ‘सनेस’ लाने पुरानो चलन भए पनि पछिल्ला वर्षमा यो क्रम पातलिँदै गएको छ । छठ र तिलासक्रायत पर्वको ‘सनेस’ चाहिँ अझै पुङ्याइँदैछ ।

महत्त्वपूर्ण
चाडबाडपछि आफन्त परिवारका मान्यजनसँगको भेटघाट र कुशलक्षम बुझ्न पूर्वजहरुले यो परम्परा बाँधेका पाका मैथिल बताउँछन् । यो परम्पराले भेटघाट र कुशलक्षम बुझ्नसँगै आपसी प्रेम सुमधुर तथा सुदृढ बनाउने हुँदा पूर्वजले बसाएका यो थिति यथासक्य निर्वाह गरिनपर्ने बर्दिबास–९ पशुपतिनगरका ८५ वर्षीय नथुनी महतो बताउँछन् । रासस



नदीमा बाँसको पुल: हुलाकी राजमार्ग अन्तर्गत धनुषा र सिरहालाई जोड्ने कमला नदीमा बनाइएको बाँसको अस्थायी पुलबाट नदी आवतजावत गर्दै यातु । नदीमा बनाइएको पक्की पुल सञ्चालनमा नआउँदै बाढीले भत्काएपछि सर्वसाधारणलाई आवतजावतमा सहजताका लागि नदीमा सिरहा नगरपालिकाले बाँसको पुल बनाएको छ । तस्विर: अमरेन्द्रकुमार यादव / रासस

दर्शैँ, तिहार र छठमा पाँच करोडको फूल किनबेच

मधेशदृष्टि
जनकपुरधाम ।
यस वर्षको बडादर्शैँ, तिहार तथा छठ पर्वमा जनकपुरलगायतका मधेशका बजार क्षेत्रमा पाँच करोड मूल्य बराबरका फूल तथा फूलमालाको किनबेच भएको छ । गत वर्षको सोही अवधिमा करिब तीन करोड ५० लाख मूल्यबराबरको फूल किनबेच भएको थियो । पोहोरको तुलनामा यस वर्ष फूलको कारोबार वृद्धि भएको फूलको थोक व्यापारी जेके फ्लावर एन्ड गिफ्ट हाउस जनकपुरका सञ्चालक जितेन्द्रकुमार भण्डारीले बताए ।

उक्त परिमाणमा फूल किनबेच जनकपुर, जलेश्वर, लहान, राजविराज, लालबन्दी, मलङ्गवा, हरिऔन, चन्द्रनिगाहपुर तथा गौरको आसपासका बजारमा भएको हो । भण्डारीका अनुसार यस वर्ष बजार मागको ९५ प्रतिशतभन्दा बढी फूलमाला आन्तरिक उत्पादन र पाँच प्रतिशतभन्दा कम भारतबाट आयात भएको थियो । विगतमा भारतको पटना तथा कलकताबाट फूल तथे माला आयात हुने गर्थ्यो । यस वर्ष सरकारले आयातमा कडाइ गरेपछि आन्तरिक उत्पादनका

फूलमाला बिक्री भएको उनको भनाइ छ । जनकपुर बजार क्षेत्रमा फूल व्यापारी २० जना छन् भने करिब दुई सय किसान फूल खेतीमा लागेको कृषि ज्ञान केन्द्रले जनाएको छ । धनुषामा करिब ५० बिघा क्षेत्रफलमा गोदावरी फूलको व्यावसायिक खेती हुने गरेको छ । देपुरा, रुपैठा, फूलगामा, परवाहा, ढल्केबर लगायतका ग्रामीण व्यावसायिक फूल खेती हुने गरेको छ । कहिलेकाहीँ प्रतिकूल मौसमका कारण फूल बिभिने गरेको जनकपुर घर भई काठमाडौँ गौशालामा थोक व्यापार गर्दै

आउनुभएका ७० वर्षीय रामदयाल माली भण्डारीले बताए । स्थानीय खुद्रा व्यवसायी रामजीवन भण्डारीले यस वर्ष २० लाखको फूल बिक्री गरेको जानकारी दिए । नेपालमा खासगरी पाँच प्रजातिको सयपत्ती फूल पाउने भए पनि कलकतिया तथा पटनिया प्रजातिका सयपत्तीफूल अत्यधिक बिक्री हुने व्यापारी तथा किसानहरु बताउँछन् । फूल खेतीका लागि प्रचुर सम्भावना भएकाले स्थानीय सरकारले यसको विकासमा जोड दिनुपर्ने फूल व्यवसायीको भनाइ छ ।

‘वीरगंज गेटवे स्पा’

मसाज सेन्टर सञ्चालनमा



मधेशदृष्टि
वीरगंज ।
‘वीरगंज गेटवे स्पा’ मसाज सेन्टर सञ्चालनमा आएको छ । होटल तथा पर्यटन व्यवसायी माधव बसेतले वीरगंजको

घण्टाघर छेउको लिंकोरडमा ‘वीरगंज गेटवे स्पा’ सञ्चालनमा ल्याएका हुन् । सोमबार राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा)का पर्सा संयोजक हरि पन्तले स्पाको समुद्घाटन गरेका हुन् । बसेतले

करिब १५ लाख रुपैयाँको लगानीमा स्पा सञ्चालनमा ल्याइएको बताए । विभिन्न कामको शीलशीला तथा युग्न आउने आन्तरिक पर्यटकसँगै भारतीय पर्यटकलाई पनि

लाक्षित गरेर स्पा सञ्चालनमा ल्याइएको बताए । अर्का सञ्चालक कुबेर कार्कीका अनुसार, स्पामा बढी मसाजको शुल्क ९ सय ९९ रुपैयाँ निर्धारण गरिएको छ । स्पामा काठमाडौँका होटल तथा स्पा सेन्टरमा लामो समयसम्म काम गरेका अनुभवी कर्मचारीहरुलाई ल्याएर राखिएको कार्कीले जानकारी दिए । स्पा सेन्टरमा वातनाकुलित (एसी) एवम् सुविधासम्पन्न ५ वटा क्याबिनहरु राखिएको उनले बताए । उद्घाटन कार्यक्रममा वीरगंजका होटल व्यवसायी, सञ्चारकर्मी, विभिन्न संघसंस्थाका प्रतिनिधी लगायतको सहभागीता रहेको थियो ।

करिब ८६ लाखको सामान सहितको ट्रक नियन्त्रणमा

मधेशदृष्टि
वीरगंज ।
जिल्ला प्रहरी कार्यालय पर्साले झण्डै करिब ८६ लाखको सामान सहितको ट्रक नियन्त्रणमा लिएको छ । प्रहरीले वीरगंज महानगरपालिका–८ घण्टाघरमा चेकजाँचको क्रममा बिल बिजक भन्दा

बढी सामान लोड रहेकोले ट्रकलाई नियन्त्रणमा लिएको हो । वीरगंजबाट कैलालीतर्फ जाँदै गरेको ना.६ ख ५५१ नम्बरको मालबाहक ट्रकमा बिल बिजक भन्दा बढीको ८५ लाख ७० हजार २ सय ४० रुपैया बराबरको औषधिहरु लोड रहेको पाईएपछि ट्रकलाई नियन्त्रणमा

लिइएको जिल्ला प्रहरी कार्यालय पर्साका प्रवक्ता प्रहरी नायव उपरीक्षक दीपक भारतीले जानकारी दिए । नियन्त्रणमा लिएको मालबाहक ट्रक थप अनुसन्धान तथा कारवाहीको लागि राजस्व अनुसन्धान कार्यालय पथलैया बारामा बुझाइएको प्रहरीले जनाएको छ ।

करेन्ट लागेर दुई जनाको मृत्यु

मधेशदृष्टि
जनकपुरधाम ।
करेन्ट लागेर धनुषा र कैलालीमा दुई जनाको मृत्यु भएको छ । धनुषाको मिथिला नगरपालिका–९ नयाँबस्तीमा ५५ वर्षीय तेजनारायण विश्वकर्माको करेन्ट लागेर सोमबार दिउँसो मृत्यु भएको हो । सोही ठाउँस्थित काली मन्दिर सामुदायिक

वनमा रूखको हाँगा काट्ने क्रममा विद्युत्को तारमा छुन गई करेन्ट लागेर गम्भीर घाइते भएका उनको उपचारका लागि अस्पतालतर्फ लैजाने क्रममा बाटोमै मृत्यु भएको प्रहरीले जनाएको छ । यस्तै, कैलालीको गोदावरी नगरपालिका–१ बसन्तपुरमा ३८ वर्षीया जगुदेवी बोहराको पनि सोमबार दिउँसो करेन्ट लागेर मृत्यु

भएको छ । विद्युतीय मोटर चलाई हात धुने क्रममा मोटरबाट करेन्ट लागेर गम्भीर घाइते भएकी उनलाई उपचारका लागि शुरूमा पदमा अस्पताल अत्तरिया लगिएको थियो । थप उपचारका लागि सेती प्रादेशिक अस्पताल धनगढीमा लगिएकोमा उनको उपचारको क्रममा मृत्यु भएको प्रहरीले जनाएको छ ।

लागुऔषधसहित एकजना पक्राउ

मधेशदृष्टि
वीरगंज ।
जिल्ला प्रहरी कार्यालय पर्साले प्रतिबन्धित लागुऔषधसहित एक जनालाई पक्राउ गरेको छ । वीरगंज महानगरपालिका वडा नम्बर १४ गण्डक चोकबाट प्रहरीले लागुऔषधसहित एकजनालाई पक्राउ गरेको हो । प्रहरी चौकी गण्डकबाट

खटिएको नियमित चेकिङ टोलीले वीरगंजबाट काठमाडौँतर्फ जाँदै गरेको बागमती प्रदेश ०३–००१ख २६६६ नम्बरको सार्वजनिक बसलाई चेकजाँच गर्ने क्रममा लागुऔषध फेला परेको जिल्ला प्रहरी कार्यालय पर्साका प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक दिपक भारतीले जानकारी दिए ।

उनका अनुसार बसमा सवार वीरगंज महानगरपालिका वडा नम्बर २५ निवासी २३ वर्षीय राज महमद देवानले सेतो बोराभित्र म्याटले फोड्न गरेको ब्लाङ्केटभित्र कालो प्लाष्टिकमा लुकाईछिपाई राखिएको अवस्थामा लागुऔषध बरामद भएको हो । देवानको साथबाट नुरफिन एक हजार १९५ पिस,

डाइजेपाम १२ सय पिस, फेनारगन एक हजार १८५ पिस गरी जम्मा तीन हजार ५८० एम्पुल लागुऔषध बरामद भएको छ । देवानलाई बरामद लागुऔषधसहित नियन्त्रणमा लिई लागुऔषध सम्बन्धी कसुरमा थप अनुसन्धान भइरहेको प्रहरी नायब उपरीक्षक भारतीले बताए ।

तलब भत्ताको माग गर्दै अनिश्चितकालीन तालाबन्दी

मधेशदृष्टि
सप्तरी ।
जिल्लाको हनुमाननगर कंकालिनी नगरपालिकाका शिक्षक र कर्मचारीले तलब भत्ताको माग गर्दै कार्यालयको मुल गेटमा अनिश्चितकालीन तालाबन्दी गरेका छन् । चालु आर्थिक वर्ष २०८१÷८२ को साउन महिनादेखि अहिलेसम्म तलब, भत्ता उपलब्ध नगराएको भन्दै नगरपालिकाको सम्पूर्ण शिक्षक तथा कर्मचारीले



कार्यालयमा आइतबारदेखि तालाबन्दी गरेका हुन् । आन्दोलन परिचालन समितिको अगुवाईमा सम्पूर्ण शिक्षक र कर्मचारीले कार्यालयमा धर्नासमेत दिएका छन् । दर्शैँ, तिहार र छठ पर्वमा समेत तलबभत्ता नपाएको कर्मचारीको गुनासो छ । हनुमाननगर कंकालिनी नगरपालिकाको नगरसभा हुन नसकेकाले कुनै पनि आर्थिक कारोबार हुन सकेको छैन ।

मधेशमा पर्वका समयमा दुर्घटनामा

२० जनाको मृत्यु, ५३४ जना घाइते



मधेशदृष्टि
जनकपुरधाम ।
मधेशमा चाँडपर्वमा दुर्घटना हुनेको ग्राफ उकालो लाग्दो छ । दर्शैँ–तिहार–छठ पर्वको अवधिमा मधेश प्रदेशमा मातैँ सवारी दुर्घटनामा परी मधेश प्रदेशमा २० जनाको मृत्यु भएको छ । यसवर्षको फूलपातीदेखि छठपर्वसम्म प्रदेशका ८ वटै जिल्लामा भएका सवारी दुर्घटनामा परी २० जनाको मृत्यु भएको प्रहरीको तथ्यांक छ ।

प्रहरीका अनुसार दर्शैँको फूलपातीदेखि छठसम्मको अवधिमा २८१ वटा दुर्घटना भएका छन् । उक्त अवधिमा २ बालबालिकासहित २० जनाको मृत्यु भएको राजमार्ग सुरक्षा तथा ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालय पथलैया, बाराले जनाएको छ । दुर्घटनामा एक बालक, एक बालिका, एक महिला तथा १७ जना पुरुषको मृत्यु भएको ट्राफिक प्रहरी पथलैयाका प्रमुख भिमकिरण बोगटीले जनाए ।

यसैगरी दुर्घटनामा ९३ जना गम्भीर घाइते र ४४१ जना सामान्य घाइते भएका उनले बताए । यो दुइवटै गरेर प्रदेशमा ५३४ जना घाइते भएको प्रहरी तथ्यांक छ । दर्शैँको फूलपातीदेखि दशमीसम्मको अवधिमा मातैँ १०५ वटा सवारी दुर्घटना भएका थिए भने ९ जनाको मृत्यु भएको थियो । यस्तै ३९ जना गम्भीर तथा १५३ जना सामान्य घाइते भएको रेकर्ड छ । तिहारदेखि छठ पर्वको

अवधिमा त्यो भन्दा बढी सवारी दुर्घटनामा परेको बोगटीले बताए । यो अवधिमा १०६ वटा सवारीसाधन दुर्घटना हुँदा ११ जनाको मृत्यु भएको थियो । यस्तै ५४ जना गम्भीर र २ सय ८८ जना सामान्य घाइते भएका प्रहरीको रेकर्ड छ । जिल्लागत रूपमा सबैभन्दा बढी बारामा दुर्घटनाहरु भएको उनले बताए । बारामा माथ यो तीन वटा चाडपर्वमा ४८ वटा सवारी दुर्घटनामा परेका छन् । त्यसपछि सप्तरी ३९, धनुषा र सर्लाही क्रमशः ३८÷३८, पर्सा ३६ वटा सवारी दुर्घटनामा परेका छन् । यसैगरी महोत्तरी र सिरहामा क्रमशः २८÷२८ तथा रौतहटमा २६ वटा सवारी दुर्घटनामा परेका प्रहरीले जनाएको छ । चाडपर्वको अवधिमा सवारी साधनको चाप बढी हुने, तीव्र गतिमा सवारी चलाउने, यातु क्षमता दोब्बर हुने तथा ट्राफिक नियमको पालना नगर्नु लगायतका कारण दुर्घटनाहरु बढ्ने गरेको प्रहरीले जनाएको छ ।

राष्ट्रपति अजरबैजानमा



बाकु । राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल अजरबैजानको बाकुमा जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्र सङ्घीय संरचना महासन्धि पक्ष राष्ट्रहरूको २९औँ सम्मेलन (कोप–२९) मा भाग लिन सोमबार यहाँ आइपुगेका छन् । उनलाई यहास्थित हैदर अलियभ अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलमा अजरबैजानका न्याय मन्त्री फारिद तरुव अहमदभले स्वागत गरेका थिए । भेटका क्रममा राष्ट्रपति पौडेलले अहिलेको विश्वको समस्या नै जलवायु परिवर्तन भएको बताए । उनले यस सम्मेलनले विकसित देशलाई कार्बन उत्सर्जन कम गर्न र जलवायु कोषमा प्रतिबद्धताअनुसारको रकऽम लगानी गर्न तथा कार्बन उत्सर्जनमा न्यून योगदान गरेर पनि मारमा परेका विकासशील देशका लागि लगानी गर्न प्रेरित गर्नुपर्नेमा जोड दिए । उनका प्रेस सल्लाहकार किरण पोखरेलले जानकारी दिए । उनका अनुसार न्यायमन्त्री अहमदभले यस सम्मेलनको मुख्य विषय नै सोही भएको उल्लेख गर्दै विकासशील देशमाथि न्याय गरिनुपर्ने आवश्यकता औँल्याएका

थिए । उनले अजरबैजानमा नेपालका जस्ता पहाड नभए पनि यहाँका हिमाल पग्लिएर पानीको स्रोत सुक्न थालेको बताएका थिए । सोमबारदेखि सुरु भएको जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्र सङ्घीय संरचना महासन्धि पक्ष राष्ट्रहरूको २९ औँ सम्मेलन (कोप–२९) मा उच्चस्तरीय नेपाली प्रतिनिधिमण्डलको नेतृत्व गर्दै राष्ट्रपति पौडेल कतारको दोहा हुँदै यहाँ आइपुगेका हुन् । भ्रमण दलमा प्रथम महिला सबिता पौडेल, वन तथा वातावरण मन्त्री ऐनबहादुर शाही, राष्ट्रपतिका विज्ञ तथा सल्लाहकारसहित नेपाल सरकारका उच्च पदस्थ अधिकारीहरूको सहभागिता छ । कोप–२९ अन्तर्गतको सम्मेलनमा राष्ट्रपति पौडेलले उच्चस्तरीय सत्रको ‘विश्व नेताहरू जलवायु कार्य शिखर सम्मेलन’लाई सम्बोधन गर्ने कार्यक्रम छ । सम्मेलनका क्रममा नेपालले आफ्ना एजेण्डामाथि विश्वको ध्यानाकर्षण गराउन यही कात्तिक २८ गते राष्ट्रपति पौडेलको नेतृत्वमा बेग्लै उच्चस्तरीय सत्र सञ्चालन हुनेछ

। सम्मेलन आगामी मङ्सिर ७ गतेसम्म चल्नेछ । सम्मेलनमा भाग लिएर राष्ट्रपति पौडेल कात्तिक ३० गते स्वदेश फर्कने कार्यतालिका छ । यसैबिच,राष्ट्रपति पौडेल र संयुक्त राष्ट्रसङ्घका महासचिव एन्टेनियो गुटेरेसबीच संक्षिप्त भेट भएको छ । जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्र सङ्घीय संरचना महासन्धि पक्ष राष्ट्रहरूको २९औँ सम्मेलन (कोप–२९) मा भाग लिन कतारको दोहाबाट अजरबैजानको बाकु जानेक्रममा जहाजमा उनीहरूबीच भेट भएको हो । भेटमा उनीहरूबीच जलवायु परिवर्तनबाट उत्पन्न समस्याबारेमा संक्षिप्त कुरा भएको हो । ‘जलवायु परिवर्तन हामी सबैको साझा समस्या हो । हिमाल, पृथ्वी र मानव समुदायको रक्षाका लागि यो समस्या समाधान गर्न हामी सबै जुट्नुपर्छ’, कुराकानीका क्रममा राष्ट्रपति पौडेलको भनाइ उहत गर्दै उनका प्रेस सल्लाहकार पोखरेलले जानकारी दिए । महासचिव गुटेरेसले राष्ट्रपति पौडेल बसेको ठाउँमा आएर भेटेका थिए । रासस

काठमाडौँ । परराष्ट्रमन्त्री डा.आरजु राणा देउवाले नेपालमा लैङ्गिक समानता र महिला सशक्तीकरणका क्षेत्रमा गएका तीन दशकयता धेरै नै उपलब्धि भए पनि चुनौती पनि रहेको उल्लेख गरेकी छिन् । युएन वुमनद्वारा सोमबार काठमाडौँमा आयोजित बेइजिङ प्लस तीसको सिभिल सोसाइटी रिपोर्ट सार्वजनिक गर्दै मन्त्री डा.राणाले ३० वर्षअघि बेइजिङमा सम्पन्न विश्वका नेताहरूको सम्मेलनपछि नेपालमा पनि महिला अधिकार,लैङ्गिक समानता तथा महिला सशक्तीकरणका क्षेत्रमा धेरै काम भएका बताएकी हुन् । उनले भनिन् ‘मलाई लाग्छ नेपालका महिलाहरूले अहिले प्राप्त गरेका संवैधानिक लगायतका अधिकारको बिजारोपण ३० वर्षअघिको बेइजिङ सम्मेलनमा भएको हो । सो चौथो विश्व महिला सम्मेलनले लैङ्गिक समानता, महिला सशक्तीकरण, महिलाविरुद्धका हिंसाको उन्मूलनलगायतका १२ ओटा क्षेत्रका प्रतिबद्धता अघि सारेको थियो ।’

बेइजिङ सम्मेलनमा आफ्नो

सक्रिय सहभागिता रहेको स्मरण गर्दै उनले त्यसयता नेपालका महिलाहरूले अघि बढाएको अभियानले देशमा महिलाका क्षेत्रमा धेरै काम भएका तथा प्रजनन् स्वास्थ्यदेखि धेरै अधिकारहरू महिलाले संवैधानिक रुपमै प्राप्त गरेको बताइन् । सम्मेलनपछिका ३० वर्षमा महिला अधिकार र लैङ्गिक समानताका क्षेत्रमा उल्लेखनीय प्रगति भएपनि अझै धेरै काम गर्न भने बाँकी रहेको मन्त्री डा.राणाको भनाई थियो । उनले भनिन्,‘महिला र यहाँका बालिकाहरूले आर्थिक सहभागिता, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, न्यायमा समान पहुँच आदि क्षेत्रमा अहिले पनि चुनौतीहरूको सामना गर्नु परिरहेको छ । यसबारेमा पनि सोच्नुपर्छ र तिनको समाधानका लागि सरकार र नागरिक समाज एकताबद्ध भइ अघि बढ्नुपर्छ ।’ मन्त्री डा.राणाले बालिकाहरूको विद्यालय भर्ना, श्रम बजारमा महिलाको सहभागिता, मातृ स्वास्थ्य,बालबिवाहमा न्युनिकरण एवं सम्पत्तिमा महिला अधिकार आदि क्षेत्रका सूचकाङ्कमा नेपालले

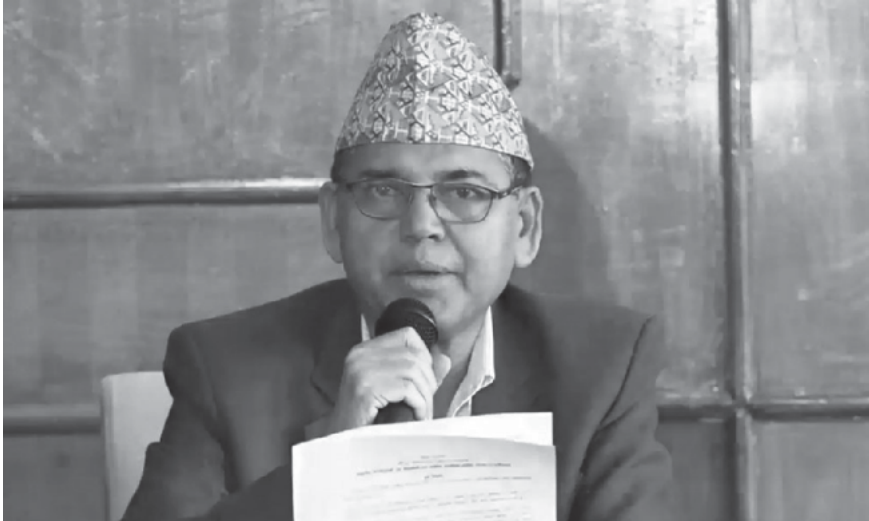


प्रगति गरेको उल्लेख गरिन् । उनले हाम्रा नीतिहरू लैङ्गिक दृष्टिकोणलाई मूलप्रवाहीकरण गर्नुका साथै सीमान्तकृत समुदायका महिला, आदिवासी, दलित र अपाङ्गता भएकाप्रति केन्द्रित रहेको जानकारी दिइन् । मन्त्री डा.रणाले संवैधानिक र कानूनी प्रत्याभूतिका कारण नेपालमा पनि राजनीतिमा महिला सहभागिता बढ्दै गएको स्पष्ट गर्दै तर पनि महिलामाथि हुने गरेका विभेद र डिजिटल युगमा बढ्दो भ्रमपूर्ण सूचनाले महिलालाई बढी तारो बनाउने गरेको आफूले पाएको धारणा राखिन् ।

आफ्नै उदाहरण प्रस्तुत गर्दै उनले भनिन्,‘बढ्दो डिजिटल युगसँगै गलत सूचनाहरूले महिलालाई बढी शिकार बनाएको मेरो अनुभव छ । जस्तो कि यहाँ मेरा बारेमा पनि कतिधेरै गलत सूचनाहरू सप्रेषण गरिएका थिए । विश्वका महिला नेतृहरूको पनि यस्तै अनुभव रहेछ । म हालै सहभागी भएको क्यानडा र संयुक्त राष्ट्रसङ्घीय महासभामा विश्वका महिला नेतृहरूले पनि यो अनुभव सेयर गर्नुभएको थियो ।’ उनले यी सबैखाले चुनौतीविरुद्धमा लडेर अघि बढ्नुपर्ने भनाइ राखिन् । उनले

भनिन्, ‘महिला सशक्तीकरणका लागि हामीले बाटो बनाएका छौँ । हामीले दिशा पनि निर्धारण गरेका छौँ । हामीले कामका लागि गति सिर्जना गरेका छौँ । तर पनि कहिलेकाहीँ यो बाटोबाट पछाडि धकेल्ने प्रयासहरू हुने भएकाले प्राप्त गरेका उपलब्धिहरूको रक्षागर्दै थप उपलब्धिका लागि अझ अघि बढ्दै जानुपर्छ ।’ सबै खाले चुनौतीहरूको पहिचान गरी कति बर्षमा के कसरी समाधान गर्ने भन्ने स्पष्ट खाका एवं कार्ययोजना नै बनाएर अघि बढ्नुपर्ने उनको धारणा थियो । रासस

मन्त्री दाहालको यस्तो निर्देशन



काठमाडौँ । भौतिक पूर्वाधार तथा यातायातमन्त्री देवेन्द्र दाहालले ललितपुरको ग्वाकोर्मा निर्माणाधीन फ्लाई ओभरको सोमबार स्थलगत निरीक्षण गरेका छन् । मन्त्रालयका उच्च अधिकारीसहित उनी निर्माणस्थलमा पुगेका हुन् । निरीक्षण पश्चात् मन्त्री दाहालले फ्लाई ओभर निर्माणको कामलाई गति दिन निर्देशन दिए । त्यस क्रममा

उनले पूर्वाधार तथा विकास आयोजना निर्माण कार्यमा हुने ढिलासुस्ती सङ्घनहुने बताए । काठमाडौँको सहरी तथा यातायात व्यवस्थापन गर्न महत्वपूर्ण हुने अपेक्षा राखिएको उक्त फ्लाई ओभर निर्माणको कार्यलाई गति दिएर समयमै सक्न मन्त्री दाहाले निर्देशन दिए । निरीक्षण टोलीमा मन्त्री दाहालसहित मन्त्रालयका सचिव केशवकुमार शर्मा, सडक

विभागका महानिर्देशक रामहरि पोखरेललगायत रहेका थिए । विसं २०७८ फागुन १२ गतेदेखि निर्माण सुरु भएको उक्त फ्लाई ओभर आगामी पुस पहिलो हप्तासम्म उक्त फ्लाई ओभर निर्माणको कार्यलाई गति दिएर समयमै सक्न मन्त्री दाहाले निर्देशन दिए । निरीक्षण टोलीमा मन्त्री दाहालसहित मन्त्रालयका सचिव केशवकुमार शर्मा, सडक



काठमाडौँ । उपप्रधानमन्त्री एवं सहरी विकासमन्त्री प्रकाशमान सिंहले राष्ट्रिय विभूति एवं नेपाल संवत्का प्रवर्तक शङ्खधर साख्वाबाट नेपाली समाजले प्रेरणा लिनुपर्ने बताएका छन् । शङ्खधर साख्वा दिवसका अवसरमा नेपाल संवत् न्हू दै राष्ट्रिय समारोह समितिले सोमबार काठमाडौँमा आयोजना गरेको कार्यक्रममा उनले साख्वाले तत्कालीन नेपाली समाजमा सामाजिक सुधारकका रूपमा अतुलनीय योगदान गरेको बताए । उपप्रधानमन्त्री सिंहले तत्कालीन समयमा नेपालीलाई ऋणमुक्त बनाउन योगदान गर्नुभएका साख्वा सामाजिक

न्यायको पक्षपाती रहेको भन्दै उपप्रधानमन्त्री सिंहले धर्मसंस्कृतिप्रति पनि उनको उत्तिकै योगदान रहेको चर्चा गरे । साख्वाको योगदानको मूल्याङ्कन गर्दै तत्कालीन प्रधानमन्त्री नेपाली कांग्रेसका नेता कृष्णप्रसाद भट्टराई नेतृत्वको सरकारले ०५६ सालमा साख्वालाई राष्ट्रिय विभूति घोषणा गरेको पनि उनले स्मरण गरे । विसं २०६५ कात्तिक ७ गतेदेखि नेपाल संवत्लाई राष्ट्रिय संवत् घोषणा गरिएको छ । लखुतीर्थबाट ल्याइएको बालुवा सुनमा परिणत भएपछि राष्ट्रिय विभूति शङ्खधरले जनताको ऋणमोचन गर्नुभएको इतिहास रहेको छ । रासस



काठमाडौँ । सञ्चार तथा सूचना प्रविधिमन्त्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङले जातीय सद्भावमा बलियो शक्ति हुने भएकाले भाषिक र सांस्कृतिक अतिक्रमणप्रति सचेत रहन आग्रह गरेका छन् । राष्ट्रिय विभूति एवं नेपाल संवत्का प्रवर्तक शङ्खधर साख्वाको स्मृति दिवसका अवसरमा पद्मरत्न तुलाधर लुमति गुठीद्वारा सोमबार काठमाडौँमा आयोजित कार्यक्रममा मन्त्री गुरुङले धार्मिक, सांस्कृतिक र जातीय विविधताबीच एकताको महत्वबारेसमेत चर्चा गरे । ‘जहाँ सांस्कृतिक रूपमा मानिस एकबद्ध छन्, त्यो धेरै शक्तिशाली समाज हो । कसैले त्यो समाजलाई कमजोर बनाउनुछ भने पहिलो चोटी नै उसको संस्कृतिमाथि

हमला गर्छ’, उनले भने,‘राष्ट्रवाद भनेको कुनै सिमामा माल खोज्ने कुरा होइन । हाम्रो राष्ट्रियता प्रत्येक जनताको अनुहारमा खोज्नुपर्छ । त्यसैले सबै समुदाय र व्यक्तिले राज्यको स्रोत र शक्तिमा पहुँच भएको महसुस हुनुपर्छ ।’ मन्त्री गुरुङले राष्ट्रिय विभूति साख्वा राष्ट्रिय एकताको प्रतीक भएको उल्लेख गर्दै भाषा संरक्षणको दिगोपनका लांिग घरबाटै मातृभाषाको अभ्यासलाई निरन्त्रता दिनुपर्नेमा जोड दिए । ‘भाषा संरक्षणका लागि सबैभन्दा पहिला पाठशाला घर हो । पहिलो गुरुआमा भनेको घरको आमा हुन्’, उनले भने,‘धेरै आदिवासीका भाषाहरू जुन व्यवहारमा रूपान्तरण हुदैँन, शैक्षिक संस्थामा पढाइँदैनन्,

साहित्यमा विकास भएको छैन र व्याकरण विकास भएको छैन । त्यस्ता भाषाहरूको संरक्षण घरघरबाट हुनुपर्छ ।’ नेपाल संवत्को महत्त्वलाई राज्यले महत्त्व दिएर अघि बढने मन्त्री गुरुङले बताए । नेपाल भाषासँग सिङ्गो नेपालको सार्वभौमिकता जोडिएको उनको भनाइ थियो । ‘संयुक्त राष्ट्रसङ्घले समेत नेपाल भाषीको देश नेपाल हो भनेर चिनेको छ । त्यसैले नेपाल भाषाको महत्त्व, नेपाल संवत्को महत्त्व, नेपाल मण्डलको महत्त्वलाई राज्यले जहिल्यै पनि महत्त्व दिएर अघि बढ्नेछ’, उनले भने । कार्यक्रममा काठमाडौँ महानगरपालिकाका उपप्रमुख सुनिता डङ्गोलले नेपाल भाषासँगै अन्य मौलिक भाषाको संरक्षणका लागि सरकार सँगसँगै समुदायको निरन्तरता आवश्यक भएकामा जोड दिए । पूर्वमन्त्री एवं पद्मरत्न तुलाधर लुमति गुठीका अध्यक्ष केशवमान शाक्यले शङ्खधर साख्वालाई सुशासन, सामाजिक न्याय र आर्थिक सङ्कटको व्यवस्थापनका लागि वर्तमान नेतृत्वले प्रेरणाको स्रोतको रूपमा लिनसक्नुपर्ने बताए । रासस

माओवादीले अनुमोदन गऱ्यो उम्मेदवारको नाम

काठमाडौँ । प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेकपा (माओवादी केन्द्र)ले स्थानीय तहका रिक्त स्थानमा हुन लागेको उपनिर्वाचनका लागि तल्ला समितिबाट सिफारिस भई आएका उम्मेदवारको नाम अनुमोदन गरेको छ । पार्टी अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल ‘प्रचण्ड’को निवास खुमलटारमा सोमबार बसेको केन्द्रीय कार्यालयको बैठकले स्थानीय तहको निर्वाचनमा पार्टीका उम्मेदवारलाई विजयी गराउन पार्टी पङ्क्ति र जनसमुदायलाई आग्रह गरेको छ । आगामी मङ्सिर १६ गते स्थानीय तहका विभिन्न ४४ स्थानमा उपनिर्वाचन हुन

लागेको छ । निर्वाचनमा पार्टीका तर्फबाट तय भएका उम्मेदवारलाई विजयी गराउने योजनासमेत तय भएको पार्टी उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता अग्निप्रसाद सापकोटाले जानकारी दिए । त्यस्तै, बैठकले आगामी मङ्सिर मसान्तसम्ममा पालिका सम्मेलन सम्पन्न गर्ने र खबरदारीसभा गर्ने निर्णय बैठकले गरेको छ । जनपरिचालनसहित गरिने खबरदारीसभाले सुशासनको पक्षमा दबाव दिने प्रवक्ता सापकोटाको भनाइ थियो । यसैगरी आगामी पुस २ गतेका लागि पार्टीको केन्द्रीय समितिको बैठक बस्ने गरी

आवश्यक तयारी गरिएको उनले बताए । अग्रगमन र परिवर्तनको पक्षमा संविधान संशोधन हुनुपर्नेमा प्रवक्ता सापकोटाले जोड दिए । उनले संविधान संशोधन गरेर प्रत्यक्ष निर्वाचित राष्ट्रपति र पूर्ण समानुपातिक निर्वाचन प्रणालीमा जानुपर्नेमा पार्टीले जोड दिएको स्पष्ट पारे । जनताबाट निर्वाचित भएर आउने सांसदहरू नीति निर्माणमा केन्द्रीत हुने र विषय विज्ञलाई मन्त्री बनाए मात्रै जनताले अपेक्षा गरे अनुसारको विकास र आर्थिक समृद्धि हुने माओवादी केन्द्रको ठहर छ । रासस

काठमाडौँ । प्रतिनिधिसभा, राज्य व्यवस्था तथा सुशासन समितिले अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग ऐन, २०४८ लाई संशोधन गर्न बनेको विधेयकमाथि संशोधनकर्ता सांसदसँग छलफल गरेको छ । समितिको सोमबाको बैठकमा सांसदले भ्रष्टाचारसम्बन्धी विषयको अनुसन्धान गर्ने मुख्य जिम्मेवारी प्राप्त अख्तियारको भूमिकालाई बलियो बनाउने प्रावधान ऐनमा समेटिनुपर्नेमा जोड दिए । संशोधनकर्ता सांसद अर्जुननरसिंह केसीले

संवैधानिक संस्थालाई राजनीतिक भागबण्डाबाट बाहिर राख्न नसक्दा त्यस्ता संस्था निरीह हुने र यसबाट मूल्यमान्यता र पद्धति कागजमा सीमित हुने बताए । ‘भ्रष्टाचार मुक्त समाज नभएसम्म सुशासन कायम हुन सक्दैन’, ‘सिंहदरबार र भ्रष्टाचार’ पर्याय बनेको छ, यसलाई चिर्न अख्तियार दुरुपयोग आयोग ऐनलाई बलियो बानाउनुपर्छ’, उनले भने । नीतिगत निर्णयका नाममा हुने भ्रष्टाचार रोक नसकिए अवस्था झन् जटिल हुनसक्ने औँल्याउँदै सांसद केसीले नीतिगत

निर्णयसम्बन्धी व्यवस्था थप प्रष्ट हुनुपर्छ भने । ‘नीतिगत निर्णय नै भ्रष्टाचारको मुल कारक हो, यससम्बन्धी प्रावधान हटाइनुपर्छ’, उनले भने, ‘मन्त्रिपरिषद्को निर्णय, संसदीय समितिका निर्णय अख्तियारले हेर्न नपाउने निर्णय हटाइनुपर्छ । सांसद अमरेशकुमार सिंहले भ्रष्टाचार न्युनीकरण गर्न राज्य सञ्चालक नै जिम्मेवार हुनुपर्ने बताए । एक पटकको भ्रष्टचारी सँधैको भ्रष्टाचारी भएको उल्लेख गर्दै उनले भ्रष्टाचारीलाई कारबाहीको हद्द राख्न नहुनेमा जोड दिए । अख्तियारले सरकारी संस्थामा भएको भ्रष्टाचारका राम्ररी

अध्ययन गर्न सकेको छैन’, उनले भने,‘मन्त्रिपरिषद् निर्णयमाथि पनि अनुसन्धान गर्न सक्ने व्यवस्था ऐनमा गर्नुपर्छ ।’ सांसद नारायणी शर्माले भ्रष्टाचार नियन्त्रणमा प्रभावकारी भूमिका खेल्न सक्ने गरी अख्तियारसम्बन्धी ऐन बत्ताइनुपर्ने बताइन् । सांसद श्यामकुमार घिमिरेले निजी क्षेत्रलाई अख्तियारको दायरामा ल्याउने नहुनेमा जोड दिए । सांसद रोशन कार्कीले संवैधानिक निकायमाथिका राजनीतिकरण बन्द हुनुपर्नेमा जोड दिँदै अतिराजनीतिक कारणबाट ती संस्थाले प्रभावकारी काम हुन नसकेको

टिप्पणी गरे । सांसद राजेन्द्र केसीले निजी क्षेत्रलाई अख्तियारको दायरामा ल्याउन नहुने र निजी क्षेत्रका नियामक निकायको भूमिकालाई नै प्रभावकारी बनाइनुपर्ने बताए । समिति सभापति रामहरि खतिवडाले उक्त संशोधन विधेयकमा ३२ सांसदले ६३ वटा संशोधन दर्ता गराएको जानकारी दिए ।समितिले अर्को बैठकमा संशोधनकर्ता सांसदसँग थप छलफल गर्ने भएको छ । समितिको सोमबारको बैठकमा गुहमन्त्री रमेश लेखक र रक्षामन्त्री मानवीर राई सहभागी थिए । रासस

गत आवमा सङ्घ र प्रदेश सरकारको बेरुजु साढे २१ अर्ब



काठमाडौँ । गत आर्थिक वर्ष २०८०÷८१ मा सङ्घ र प्रदेश सरकारको बेरुजु २१ अर्ब ५१ करोड रुपैयाँ भन्दा बढी देखिएको छ । महालेखा नियन्त्रक कार्यालयले महालेखापरीक्षकको कार्यालयलाई बुझाएको ‘केन्द्रीय लेखाको एकीकृत वित्तीय विवरण’ अनुसार सङ्घ तथा प्रदेश सरकारको गत आर्थिक वर्ष २०८०÷८१ मा आन्तरिक लेखापरीक्षणबाट कायम भएको बेरुजु रकम २१ अर्ब ५१ करोड ९६ लाख रुपैयाँ छ । जसमा नियमित गर्नुपर्ने बेरुजु एक अर्ब १३ करोड ५० लाख रुपैयाँ, असुल गर्नुपर्ने बेरुजु एक अर्ब ९२ करोड ९६ लाख रुपैयाँ र पेशकी बेरुजु १० अर्ब ४५ करोड ४९ लाख रुपैयाँ रहेको जनाइएको छ । महालेखा नियन्त्रक कार्यालयका प्रवक्ता श्यामप्रसाद भण्डारीका अनुसार सरकारको गत आर्थिक वर्षको संघीय सञ्चित कोष, वैदेशिक अनुदान र ऋण सहायता, लगानी एवम् नेपाल सरकारका बजेटरी तथा गैर बजेटरी निकायको विनियोजन, राजस्व, धरीटी तथा अन्य कोषहरूको कारोबारलगायतका विषयहरू समेटेर केन्द्रीय लेखाको एकीकृत वित्तीय विवरण तयार पारी महालेखापरीक्षकको कार्यालयलाई बुझाइसकेको छ । ‘केन्द्रीय लेखाको एकीकृत वित्तीय

विवरण यहि कात्तिक १४ गते महालेखापरीक्षकलाई बुझाइसकेको छौँ । यसरमा सरकारको गत आर्थिक वर्षको कारोबारको यथार्थ वित्तीय अवस्थाको चित्रण छ’, उनले भने । उक्त विवरण अनुसार गत आर्थिक वर्षमा संघीय सञ्चित कोष कुल दुई खर्ब २४ अर्ब ९९ करोड १३ लाख रुपैयाँले ऋणात्मक छ । ‘आर्थिक वर्ष २०८०÷८१ को सुरुमा संघीय सञ्चित कोष कुल एक खर्ब ८१ अर्ब २६ करोड ७३ लाख रुपैयाँले ऋणात्मक रहेकोमा यस वर्ष कुल प्राप्ति १३ खर्ब ३५ अर्ब ९२ करोड ७४ लाख रुपैयाँ ९३ अर्ब ३९ करोड ४२ लाख रुपैयाँ तथा विनिमय दर वा अन्य समायोजन १४ अर्ब ४४ करोड २८ लाख रुपैयाँ भएबाट यस आर्थिक वर्षको सुरुको मौज्जात समेतको समायोजनबाट आर्थिक वर्षको अन्त्यमा संघीय सञ्चित कोष कुल दुई खर्ब २४ अर्ब ९९ करोड १३ लाख रुपैयाँले ऋणात्मक रहेको छ,’ महालेखा नियन्त्रक कार्यालयले तयार पारेको विवरणमा भनिएको छ । गत आवमा सरकारको बजेटरी निकायको नगद तथा बैङ्क मौज्जात ८४ अर्ब ७८ करोड ४८ लाख रुपैयाँ ऋणात्मक रहेको छ । गैर बजेटरी निकायको सोही अवधिको नगद तथा बैङ्क मौज्जात भने ७१ अर्ब ८२ करोड ७३ लाख रुपैयाँ धनात्मक रहेको छ । यसरी गत आर्थिक वर्षमा सरकारको

नगद तथा बैङ्क मौज्जात १२ अर्ब ९५ करोड ७५ लाख रुपैयाँले ऋणात्मक देखिन्छ । गत आर्थिक वर्षका लागि सरकारले १२ खर्ब ४७ अर्ब ६३ करोड ४२ लाख रुपैयाँ राजस्व उठाउने लक्ष्य राखेकोमा नौ खर्ब ५६ अर्ब २६ करोड ५६ लाख रुपैयाँ मात्रै सङ्कलन भएको छ । त्यस्तै, सरकारले गत आर्थिक वर्षमा १७ खर्ब ५१ अर्ब ३१ करोड २१ लाख रुपैयाँ बजेट खर्च गर्ने लक्ष्य राखेकोमा १३ खर्ब ९३ अर्ब ३९ करोड ४२ लाख रुपैयाँ बराबरको मात्रै खर्च भएको देखिएको छ । ‘कुल खर्च रकममध्ये सङ्घीय सञ्चित कोषमाथि व्ययभार हुने रकमतर्फत तीन खर्ब पाँच अर्ब ६३ करोड १५ लाख रुपैयाँ खर्च भएको छ भने संघीय सञ्चित कोषबाट विनियोजन हुने समेतको समायोजनबाट आर्थिक वर्षको अन्त्यमा संघीय सञ्चित कोष कुल दुई खर्ब २४ अर्ब ९९ करोड १३ लाख रुपैयाँले ऋणात्मक रहेको छ,’ महालेखा नियन्त्रक कार्यालयले तयार पारेको विवरणमा भनिएको छ । जसमा प्रदेश सरकारलाई ७६ अर्ब एक करोड ९९ लाख रुपैयाँ र स्थानीय तहलाई दुई खर्ब ६३ अर्ब ३९ करोड ६२ लाख रुपैयाँ

बराबर हस्तान्तरण देखिन्छ । गत आर्थिक वर्षमा सरकारको विभाज्य कोषमा संकलन भएको कुल रकम चार खर्ब १९ अर्ब ६४ करोड ३१ लाख रुपैयाँ मध्येबाट तीन खर्ब ८० अर्ब ८१ करोड ८८ लाख रुपैयाँ बाँडफाँट भएको र ३८ अर्ब ८२ करोड ४३ लाख रुपैयाँ बाँडफाँट हुन बाँकी रहेको पनि महालेखा नियन्त्रक कार्यालयले जनाएको छ । गत आवमा सरकारको कुल १८ अर्ब १२ करोड १२ लाख रुपैयाँ पेशकी बाँकी रहेको पनि उक्त विवरणमा उल्लेख छ । जसमा म्याद ननाघेको पेशकी सात अर्ब ६६ करोड ६३ लाख रुपैयाँ र म्याद नाघेको पेशकी १० अर्ब ४५ करोड ४९ लाख रुपैयाँ रहेको छ । गत आर्थिक वर्षमा सरकारले कुल तीन खर्ब ६० अर्ब आठ करोड ७५ लाख रुपैयाँ बराबर ऋण उठाएको देखिन्छ । जसमध्ये वैदेशिक ऋण एक खर्ब २५ अर्ब ६६ करोड ६१ लाख रुपैयाँ र आन्तरिक ऋण दुई खर्ब ३४ अर्ब ४२ करोड १४ लाख रुपैयाँ रहेको छ । त्यस्तै, गत आर्थिक वर्षमा सरकारले सार्वजनिक ऋणको साँवा तिर्नका लागि दुई खर्ब २३ अर्ब २७ करोड ९५ लाख रुपैयाँ खर्च गरेको छ । केन्द्रीय लेखाको एकीकृत वित्तीय विवरण अनुसार गत आर्थिक वर्षमा सरकारबाट ४१ अर्ब ७५ करोड ७८ लाख रुपैयाँ आन्तरिक ऋण लगानी भएको छ । त्यस्तै, सार्वजनिक संस्थानमा छ अर्ब ९९ करोड ४३ लाख रुपैयाँ बराबरको शोथर लगानी भएको तथा वैदेशिक शोथर लगानी २१ करोड ६० लाख रुपैयाँ बराबर रहेको महालेखा नियन्त्रक कार्यालयको विवरणमा उल्लेख छ । गत आर्थिक वर्षमा सरकारले वैदेशिक ऋण तथा अनुदानबाट शोधभर्ना लिनुपर्ने करिब २४ अर्ब बराबर शोधभर्ना हुन बाँकी रहेको देखिएको छ । ‘शोधभर्ना हुन बाँकी वैदेशिक ऋण रकम १७ अर्ब नौ करोड २१ लाख रुपैयाँ छ । त्यस्तै वैदेशिक अनुदान तर्फ छ अर्ब ७४ करोड पाँच लाख रुपैयाँसमेत गरी शोधभर्ना हुन कुल कोषबाट चार खर्ब आठ करोड ७० लाख रुपैयाँ बजेट हस्तान्तरण गर्ने लक्ष्य राखेकोमा तीन खर्ब ३९ अर्ब ४१ करोड ६२ लाख रुपैयाँ बराबर मात्रै हस्तान्तरण भएको छ । जसमा प्रदेश सरकारलाई ७६ अर्ब एक करोड ९९ लाख रुपैयाँ र स्थानीय तहलाई दुई खर्ब ६३ अर्ब ३९ करोड ६२ लाख रुपैयाँ

‘डेडिकेटेड’ र ‘ट्रङ्कलाइन’ को बक्यौता पन्ध्र दिनभित्र उठाइने

काठमाडौँ । लामो समयदेखि विवादमा रहेको ‘डेडिकेटेड’ र ‘ट्रङ्कलाइन’ विद्युत् महसुल बक्यौता ‘टाइम अफ डे’ (टिओडी) मिटरका आधारमा उठाउने निर्णय सरकारले गरेको छ । सोमबार मन्त्रिपरिषद्को आइतबारको निर्णय सार्वजनिक गर्दैै सरकारका प्रवक्ता एवं सञ्चार तथा सूचना प्रविधिमन्त्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङले १५ दिनभित्र विद्युत् महसुल बक्यौता उठाउने र बक्यौता नतिरेका उद्योगका काटिएको बिजुली २४ घण्टाभित्र जोड्ने निर्णय भएको बताए । ‘डेडिकेटेड फिडर तथा ट्रङ्कलाइनबाट विद्युत् उपभोग गर्ने ग्राहकहरूले खपत गरेको विद्युत्को बक्यौता रकम (टिओडी मिटरसमेतको आधारमा) महसुल निर्धारण तथा असुलीसम्बन्धी तत्काल प्रचलित कानुनबमोजिम गणना गरी पन्ध्र दिनभित्र असुलउपर ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ



मन्त्रालयले गर्ने गराउने निर्णय भएको छ’, सञ्चारमन्त्री गुरुङले भने, ‘डेडिकेटेड फिडर तथा ट्रङ्कलाइनबाट विद्युत् उपभोग गर्ने ग्राहकहरूको विद्युत् महसुलसम्बन्धी विवादका कारण विद्युत् आपूर्ति बन्द हुँदा उत्पादन घट्न गएको, उद्योगमा कार्यरत श्रमिकहरूको रोजगारीमा प्रत्यक्ष असर परेको एवं समय अर्थतन्त्रमा प्रभाव परेको हुँदा यसरी विद्युत् आपूर्ति बन्द गरिएका उद्योगहरूमा २४ घण्टाभित्र विद्युत् लाइन जडान गर्ने व्यवस्था मन्त्रालयले मिलाउनुपर्नेछ ।’

मन्त्रिपरिषद्को २०८० साल पुस २४ को निर्णयअनुसार सर्वोच्च अदालतका पूर्वन्यायाधीश गिरिशचन्द्र लालको संयोजकत्वमा डेडिकेटेड फिडर तथा ट्रङ्कलाइनबाट विद्युत् उपभोग गर्ने ग्राहकहरूको विद्युत् महसुलसम्बन्धी विवाद समाधानका लागि गठित जाँचबुझ आयोगले २०८१ साल वैशाख २३ मा पेस गरेको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्न ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ मन्त्रालयलाई स्वीकृति प्रदान गर्ने निर्णयसमेत मन्त्रिपरिषद्ले

गरेको छ । कृषि विकासका लागि अन्तर्राष्ट्रिय कोष (आइएफएडी) मा नेपाल सरकारका तर्फबाट अमेरिकी डलर ७५ हजार योगदान भुक्तानी गर्न स्वीकृति प्रदान गर्ने निर्णय पनि मन्त्रिपरिषद्ले गरेको छ । त्यस्तै, वास्थ्य बीमा बोर्डका अध्यक्ष डा.गुणराज लोहनीको राजीनामा स्वीकृत भएको गुरुङले जानकारी दिए । अछाम जिल्लाको साँफेबगर नगरपालिका–६ मा पर्ने साबिक माछामाण्डौँ गाविस–१ मा जग्गा एकीकरण आयोजना सञ्चालन

गर्न स्वीकृति दिने निर्णयसमेत मन्त्रिपरिषद्ले गरेको छ । मन्त्रिपरिषद्को बैठकले भन्सार महसुल नियमावली, २०८१ र राहदानी (दोस्रो संशोधन) नियमावली, २०८१ स्वीकृत गर्ने निर्णयसमेत गरेको छ । यही कात्तिक २६ देखि २८ गतेसम्म चीनको सिचुवान प्रान्तको छेन्दुमा आयोजना हुने ‘सिचुआन अन्तर्राष्ट्रिय सहर सहयोग र विकास सम्मेलन–२०२४’ मा सहभागी हुन लुम्बिनी प्रदेशका मुख्यमन्त्री र प्रमुख सचिवलाई स्वीकृति दिने निर्णय मन्त्रिपरिषद्ले गरेको छ । नेपाल सरकार र स्विडेन सरकारबीच सहकारीका क्षेत्रमा हुने द्विपक्षीय सम्झौता स्वीकृत गर्ने र उक्त सम्झौतामा नेपालका तर्फबाट समकक्षी मिलाई हस्ताक्षर गर्न वन तथा वातावरण मन्त्रालयलाई अख्तियारी प्रदान गर्ने निर्णय मन्त्रिपरिषद्ले गरेको छ । रासस

कतार एयरवेजको गौतमबुद्ध विमानस्थलबाट उडान

काठमाडौँ । कतार एयरवेजले भैरहवास्थित गौतमबुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलबाट उडान भर्ने भएको छ । नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (क्यान) का अनुसार उक्त एयरलाइन्सले मङ्गलबारदेखि भैरहवामा दैनिक उडान भर्न लागेको हो । प्राधिकरणका सूचनाअधिकारी ज्ञानेन्द्र भुल्ले कतार एयरवेजले गौतमबुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलमा दैनिक उडान भर्न लागेको बताए । कतार एयरवेजको भैरहवा उडान साप्ताहिक रूपमा ठूलो उपलब्धि भएको उनले उल्लेख गरे । ‘भैरहवाबाट अन्तर्राष्ट्रिय उडान हुनु भनेको आफैमा नेपालको इन्टरनेशनल एयरपोर्टलाई अन्तर्राष्ट्रिय एरोनोटिकल समुदाय ‘इन्टरनेशनल एरोनोटिक कम्युनिटी’ले रिकनाईज गर्नु हो’, सूचना अधिकारी भुल्ले भने, ‘विश्वका ठूला एयरलाइन्स कतार, फलाई दुबई, थाई एयर एसिया, जजीरालगायत अन्तर्राष्ट्रिय एयरलाइन्सको भैरहबाट उडान हुनु रणनीतिक हिसाबले निकै महत्व हुन्छ । हामी (नेपालले) बनाएको अन्तर्राष्ट्रिय एयरपोर्ट ‘गेट वे’ को रूपमा विश्व प्रसिद्ध एयरलाइन्सले सेडुअल उडानको रूपमा प्रयोग गर्नुभनेको आर्थिक हिसाबले गौतमबुद्ध विमानस्थल र आसपासको क्षेत्र पनि आर्थिक सम्भावनायुक्त हुने हुनाले यसको विशेष महत्व छ ।’ सूचना अधिकारी भुल्लाका अनुसार गौतमबुद्ध विमानस्थलबाट भएको अन्तर्राष्ट्रिय उडानले हवाई भाडा नियन्त्रण गर्न मद्दत पुग्छ । नेपालले अधिकांश देशसँग गरेको हवाई सेवा सम्झौतामा इन्धनको मूल्य र प्रतिस्पर्धीको आधारमा हवाई भाडा निर्धारण गरिएको हुन्छ । स्वदेशी र विदेशी वायुसेवा कम्पनीको समन्वयमा प्रतिस्पर्धी उत्कृष्ट ‘एयरफेयर सिस्टम’ भएपछि स्वदेशी वायुसेवा कमजोर हुँदाखेरी विदेशी

वायुसेवाको क्षमतामा निर्भर हुनुपर्दा विदेशी कम्पनीले हवाई भाडा बढाउदा बजार उनीहरूको पहुँचमा जान्छ । ‘सरकारले विमानस्थल सहूलियतको प्याकेज घोषणा गरेको छ । यसबाट एयरलाइन्सले पनि नयाँ विमानस्थलबाट व्यावसायिक उडान भरेर श्रेय लिने सम्भावनाको प्रतिस्पर्धा हुने तथा यसले अन्तर्राष्ट्रिय महत्व राख्ने प्राधिकरणका विश्वका ठूला एयरलाइन्स विश्वको नम्बर एक एयरलाइन्स कतार एयरवेजले गौतमबुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थललाई ‘रिकनाइज’ गर्नुने आफैमा रणनीतिक रूपमा ठूलो महत्व रहन्छ,’ सूचना अधिकारी भुल्ले भने, ‘यसले भविष्यमा अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल पूर्ण क्षमतामा सञ्चालन हुने वातावरण सिर्जना हुन्छ ।’ कतारले दैनिक दुई उडान काठमाडौँ र एउटा भैरहवाबाट गर्नेछ । कतार एयरवेजको भैरहवाका ३० नोभेम्बरसम्म दैनिक एक उडानको तालिका निर्धारण गरिएको छ । विमानस्थलमर्मत सुरु हुनुअघि कतारले काठमाडौँमा दैनिक चार उडान भर्दै आएको थियो । योसहित मुलुकको दोस्रो अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल, गौतमबुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलमा अन्तर्राष्ट्रिय उडान सञ्चालन गर्ने हवाई कम्पनीको सङ्ख्या पाँच पुगेको छ । निर्माण सम्पन्न भएको लामो समयपछि यो विमानस्थलमा धमाधम अन्तर्राष्ट्रिय उडान भइरहेको छ । विमानस्थलमा यसअघि नेपाल वायुसेवा निगम (नेपाल एयरलाइन्स), जजीरा एयर र फ्लाई दुबईले अन्तर्राष्ट्रिय उडान सञ्चालन गरिरहेका छन् । गौतमबुद्ध विमानस्थलबाट पहिलो पटक यही कात्तिक १४ गते एकै दिन तीनवटा अन्तर्राष्ट्रिय उडान सञ्चालन भएको थियो ।

दिनेशलाई अन्तर्राष्ट्रिय मदर टेरेसा पुरस्कार

काठमाडौँ । नेपालका पार्कर खेलाडी दिनेश सुनारलाई यस वर्षको ‘अन्तर्राष्ट्रिय मदर टेरेसा’ पुरस्कार प्रदान गरिएको छ । अठार पटक गिनिज विश्व रेकर्डमा नाम लेखाउन सफल सुनारले खेल क्षेत्रसँगै समाजमा पुर्‍याएको उत्कृष्ट योगदानको कदर गर्दै उनलाई नयाँ दिल्लीमा आयोजित विशेष समारोहमा पुरस्कार प्रदान गरिएको हो । दिनेश सुनारले आफ्नो प्लेटफर्म र पार्कर कौशललाई विश्व रेकर्ड कायम राख्न मात्र नभई युवाहरूलाई प्रेरणा दिन, स्वस्थ जीवनशैलीलाई प्रोत्साहन गर्न र नेपाललाई अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमा चिनाउँदै आएका छन् । मानवतावादी सेवा, सामाजिक कार्य र शान्ति निर्माणका क्षेत्रमा योगदान दिने व्यक्तित्वहरू र संस्थाहरूलाई सम्मानित गरिने यो पुरस्कार स्वर्ण भारत परिवार नामक संस्थाले प्रदान गर्दै आएको छ । भारतका डा बेनेट फरनान्डेज, मेक्सिकोकी रीता अगुहलर गोन्जालेज, सिङ्गापुरकी डा म्यारी एड, अमेरिकाकी डा लिनोरा पिटर्सन, जिम्बाब्वेकी डा प्याट्रिसिया गोन्डे, बेलायतकी अलिसन चिवालालगायतसमाजमा विभिन्न क्षेत्रमा महत्त्वपूर्ण योगदान दिएका एक हजार एकजनामध्ये उनी

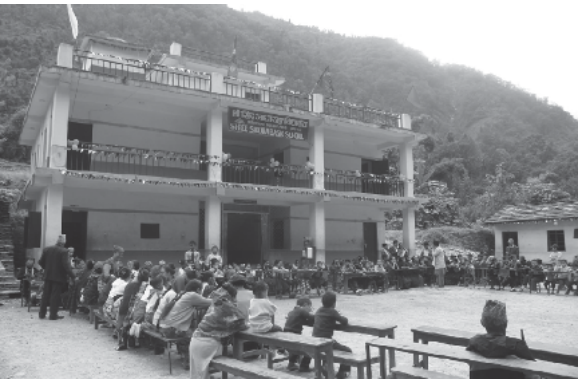
नेपालबाट एकजना मात्र रहेका छन् । समर्पण र अनुशासनमार्फत सुनारले आफ्नो शारीरिक तन्दुरुस्ती र जोसले विशेषगरी खेलकुद र पहिचानको अवसर सीमित रहेका ग्रामीण समुदायमा सकारात्मक प्रभाव पार्न योगदान पुर्‍याउँदै आएका छन् । मदर टेरेसाका मूल्य मान्यतासँग मेल खाने योगदानलाई प्रोत्साहित गर्न र प्रबर्द्धन गर्न स्थापना गरिएको यो पुरस्कार उपेक्षित समुदायको उत्थान, वञ्चित वर्गका लागि स्वास्थ्य सेवा र शिक्षा प्रदान गर्न तथा विश्व शान्ति र सौहार्द्रको भावना जागृत गराउन कठुणा र निःस्वार्थ सेवा गरेबापत प्रदान गर्ने गरिन्छ । पुरस्कार प्राप्त गरेपछि सुनारले विश्वभरिका सामाजिक रूपमा प्रभावशाली र बौद्धिक व्यक्तित्वसँगै आफू पनि सम्मानित हुन पाउँदा आफूले गरेको मेहनतले सार्थकता पाएको महसुस भएको बताउँदै नेपाललाई विश्वभर चिनाउन सकेकामा गौरवान्वित भएको बताए । उनले भने, ‘नेपाली खेलाडीका रूपमा मैले पाएको सम्मानले विश्वभरिका युवाहरूलाई प्रेरित गर्दछ, जतिसुकै चुनौती आए पनि आफूले चाहेको उपलब्धि हासिल गर्न सकिन्छ भन्ने सन्देश दिएको छ ।’

हाल अमेरिकामा रहेर पार्करजस्तो उल्लेखनीय कलाबाट नेपाली खेलकुद र सांस्कृतिक आदानप्रदानमा सक्रिय हुने क्रममा विभिन्न प्रदर्शनी र विश्वकीर्तिमानी प्रबर्द्धनमा सक्रिय हुँदै आएका छन् । उनको यो अदभुत कला सिटी अफ एक्रोनका मेयर डेनियल होरिगानले गत २९ अप्रिललाई दिनेश सुनार डे नै घोषणा गरेका थिए भने अमेरिकाको हाउस अफ रिप्रेजेन्टेटिभले १० फेब्रुअरीमा सम्मान गरेको थियो । यति मात्र होइन, गिनिज वल्ड रेकर्ड्स डेमा संसारका उत्कृष्ट पाँच रेकर्ड होल्डरभित्र उनी पनि परेका थिए । उनले २०२१ मा अक्रोन, ओहोयोमा भुटानिज कम्युनिटी एसोसिएसन इङ्क, अक्रोनको सहयोगमा सनसाइन तेक्वान्दो एकेडेमीद्वारा आयोजित कार्यक्रममा ३० सेकेन्डमा सबैभन्दा पूर्ण द्विस्ट ब्याकफ्लिप्सका लागि विश्वकीर्तिमान तोडेका थिए भने ९ मार्च २०२३ मा न्युयोर्कमा जिपिके फाउन्डेसनले आयोजना गरेको कार्यक्रममा एक मिनेटमा सबैभन्दा धेरै २१ पटक डाइभिङ गर्ने गिनिजवल्ड रेकर्ड तोडेका थिए । रासस



काठमाडौँ । सरकारले श्रम स्वीकृति नै नलिई विदेशमा काम गरिरहेका नेपाली श्रमिकले अब श्रम स्वीकृति लिएर वैधानिक हैसियत प्राप्त गर्न पाउने व्यवस्था मिलाएको छ । श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालयले सन् २०२४ को सेप्टेम्बरलाई ‘कटअफ डेट’ मानेर उनीहरूलाई श्रम स्वीकृत दिने निर्णय गरेको मन्त्री शरतसिंह भण्डारीले जानकारी दिए । ‘यो व्यवस्था कार्यान्वयनको प्रक्रियामा छ, प्राविधिक पाटो सुल्झेपछि सहजै श्रम स्वीकृति पाउनेछन् । नयाँ श्रम स्वीकृतिका लागि श्रमिकले ‘बायोमेट्रिक’ दिनुपर्ने हुन्छ, तर नियोगमा यससम्बन्धी प्रणाली नभएकाले केही ढिलाइ भएको हो’, मन्त्री भण्डारीले भने । श्रम स्वीकृति नलिई विदेशमा श्रम गरिरहेका घरेलुसहित सबै श्रमिकले यस व्यवस्थाबाट लाभ पाउन सक्नेछन् । श्रमिकलाई प्रक्रियामा ल्याउन सम्बन्धित मुलुकमा रहेको नियोगका साथै नेपाली सङ्घसंस्थालाई पनि परिचालित गरी ने मन्त्री भण्डारीको भनाइ छ । रासस

स्थापनाको चार दशकपछि विद्यालयको पक्की भवन



म्याग्दी । जिल्लाको मालिका गाउँपालिका–१ खहरेमा रहेको सिद्ध आधारभूत विद्यालय स्थापना भएको चार दशकपछि पक्की भवन निर्माण भएको छ । विभिन्न निकायको अनुदान सहयोगमा तीनवटा कक्षा कोठा भवन निर्माण भएको हो । श्रमदानसहित कूल एक करोड ७७ हजार पाँच सय ३४ रुपैयाँको लागतमा निर्माण भएका तीनवटा भवनमा आठवटा कोठा रहेका प्रधानाध्यापक मोतिराज गौतमले जानकारी दिए । ‘विसं २०३९ मा खरको टहरामा सुरु गरिएको विद्यालय करिब करिब चार दशक कच्ची भवनमा सञ्चालन भएको थियो’, विद्यालयको स्थापनाकालदेखिनै त्यहाँ कार्यरत गौतमले भने, ‘चार दशक पुरानो भवन जीर्ण भएर पानी चुहिन थालेको थियो । भत्कने ढास थियो ।’ जग्गा व्यवस्थापन गरी नयाँ भवन निर्माण गरेपछि सुरक्षित र सहज रुपमा पठनपाठन हुने वातावरण सिर्जना भएको प्रअ गौतमले बताए । तत्कालीन राष्ट्रिय पुनःनिर्माण प्राधिकरणको अनुदान र श्रमदान गरी कूल ८६ लाख ९१ हजार छ सय रुपैयाँको लागतमा दुईतले चार कोठे भवन निर्माण भएको थियो । निर्वाचन क्षेत्र पूर्वाधार विकास कार्यक्रमको अनुदान सहयोगमा दुई-दुई कोठे

एकतले भवन निर्माण भएको हो । कक्षा ८ सम्मको पठनपाठन हुने विद्यालयमा हाल एक सय ५० जना विद्यार्थी अध्ययनरत छन् । विद्यालयमा कम्प्युटर प्रयोगशाला पनि रहेको छ । संविधानसभा सदस्य नवराज शर्मा, गण्डकी प्रदेशका पूर्वमन्त्री नरदेवी पुन र जिल्ला समन्वय समिति म्याग्दीका प्रमुख राजकुमार थापाले भवनको आइतबार उद्घाटन गरेका थिए । भवन उद्घाटन समारोहमा विद्यालयका संस्थापक गङ्गबहादुर पुन, देवीप्रसाद आचार्य, दलमान पुन, पुरुषोत्तम शर्मा र पतिराम सिउथानीको नाम उल्लेखित शिलालेखको पनि अनावरण गरिएको थियो । संस्थापक आचार्यलाई सम्मान समेत गरिएको छ । पुस्तकालय र चमेना गृहका लागि थप दुई कोठा आवश्यक रहेको विद्यालय व्यवस्थापन समितिका अध्यक्ष मानसिङ सापकोटाले बताए । ‘बस्तीमाथि खनिएको सडकबाट आउने बाढी खेलमैदानमा पसेर दुःख दिने गरेको छ’, उनले भने, ‘बाढी नियन्त्रण र कोठा थप गर्न गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारका निकायमा प्रस्ताव गरेका छौँ ।’ रासस

माईपोखरीमा ‘माईपोखरी बहुधार्मिक महोत्सव’



इलाम । सन्दुकपुर गाउँपालिका–३ स्थित धार्मिक–पर्यटकीय क्षेत्र माईपोखरीमा हरिबोधनी एकादशीका अवसरमा दुई दिने बहुधार्मिक महोत्सव आयोजना गर्न हुने भएको छ । माईपोखरीलाई धार्मिक पर्यटकीय केन्द्रको रुपमा विकास गर्ने, धार्मिक सहिष्णुता र बहुधार्मिक तीर्थका रुपमा प्रवर्द्धन तथा बहुआयमिक अनुसन्धानस्थलका रुपमा विकास गर्ने उद्देश्यका साथ महोत्सव आयोजना गरिएको आयोजक समिति अध्यक्ष प्रेम नाछिरिङ राईले बताए । यही कात्तिक २६ र २७ मा सञ्चालन हुने महोत्सवमा विभिन्न हिन्दु, बौद्ध र किरात धर्मगुरुले पूजापाठ, मन्त्रोच्चरण समेत गर्ने उनले जानकारी दिए । ‘माईपोखरीको पर्यटन प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्यले बहुधार्मिक महोत्सव आयोजना गरिएको छ’, अध्यक्ष राईले भने, ‘महोत्सवमा धार्मिक प्रवचनका साथै विभिन्न क्षेत्रको दृश्यावलोकन समेत गराइनेछ ।’

महोत्सवमा माईपोखरी दर्शन तथा अवलोकन, माईपोखरी परिसरका सत्यधुनी पाठशाला, शिवालय, यज्ञकुण्ड, साधुकुटी, बौद्धगुम्बा, तीनचुलो, युमाथान अवलोकन तथा हिन्दु, बौद्ध र किरात धर्मको धार्मिक प्रवचन सुन्न पाइने छ । त्यस्तै विभिन्न सांस्कृतिक झाँकी प्रदर्शन, भेशभूषा प्रदर्शन एवं जातीय सांस्कृतिक परिकार प्रदर्शन गरिने अध्यक्ष राईले बताए । यहाँ आउने पर्यटकले फूल, आलु, मूला, अर्गानिक चिया र तरकारीको प्रदर्शन गरिनेछ । महोत्सवमा आन्तरिक र बाह्य गरी ५० हजार पर्यटक र भक्तजनलाई माईपोखरी भ्रमण गराउने आयोजकको लक्ष्य छ । माईपोखरी पुग्ने पर्यटकलाई खान र बस्नका लागि होमस्टेको व्यवस्था गरिएको आयोजक समिति कोषाध्यक्ष निर्मला निरौलाले बताए । नौवटा कुन रहेको माईपोखरीमा पूजापाठ गरेमा मनोकाङ्क्षा पूरा हुने धार्मिक विश्वास छ । दुई हजार एक सय २१ मिटर अग्लो डाँडामा रहेको माईपोखरीको दुई हेक्टर जलाशय र १२ हेक्टर सिमसारलाई अत्यन्त

संवेदनशील मानिएको छ । बाक्लो कुहिरोलै छाडेर आकाश खुल्नसाथ माईपोखरी निकै मनमोहक देखिन्छ । हरेक वर्ष हरिबोधनी एकादशी र नयाँ वर्षमा यहाँ ठूलो धार्मिक मेला लाग्ने गर्दछ । यस पटक भने महोत्सव नै आयोजना गरिएको आयोजक समिति सदस्य लिला भट्टराईले बताइन् । ‘विगतमा यहाँ धार्मिक मेला लाग्ने गर्दथ्यो, यसपटक हामीले बहुधार्मिक महोत्सव नै आयोजन गर्ने जमर्को गरेका छौँ, उनले भने, ‘यसले माईपोखरीको पर्यटन प्रवर्द्धनमा योगदान गर्नेमा विश्वस्त छौँ ।’ माईपोखरी सन् २००८ अक्टोबर २८ मा दक्षिण कोरियाको चाङबाङमा सम्पन्न रामसार महासन्धिको दर्शाँ बैठकले विश्व सम्पदा सूचीमा राखेको छ । माईपोखरी जान इलाम सदरमुकामबाट उत्तरमा बिर्ल्यॉटि बजार हुँदै आधा जति कालोपत्रे र आधा जति कच्ची गरी १३ किलोमिटर सडक पार गर्नुपर्ने हुन्छ । रासस

नमोबुद्ध जाल्ताः बौद्ध धर्मालम्बीको ‘पितृ’ सम्झने मेला



चिनिनुहुन्छ ।’ संवत् १७४ मा गन्धमान पर्वतकै टुप्पोमा अस्थिपञ्जर जम्मा गरी स्तुपा (चैत्य) बनाएको अभिलेख पाइन्छ । उक्त पर्वत आठ हजार फिटको उचाइमा रहेको छ । उक्त पर्वतमा राजकुमारले बचिनीलाई आफैँले शरीरको मासु काटेर खुवाइरहेको दृष्य कुँँदिएको मूर्ति रहेको छ । नमोबुद्धमा सधैंजसो स्वदेशलगायत विदेशका बौद्धमार्गीको चहलपहल हुने गरेको स्थानीय राकेश लामा बताउनुहुन्छ । उहाँका अनुसार मेलामा यस वर्ष पनि छिमेकी जिल्ला सिन्धुपाल्चोक, सिन्धुली, रामेछाप, भक्तपुर, ललितपुर, काठमाडौँ, धादिङ, नुवाकोट लगायतबाट सहभागिता रहने गर्दछ । नमोबुद्धमा भाद्र कृष्ण द्वादशी र चैत कृष्ण द्वादशीको दिन पनि मेला लाग्ने गर्दछ । प्रचलनअनुसार धार्मिक भाद्र कृष्ण द्वादशीको दिन नमाबुद्धको खटलाई पनौतीस्थित राजदरबारमा ल्याई दुई दिपंकर बद्ध, अजा अजिमाँसहितको भव्य जाल्ता आयोजना गर्ने गरिन्छ । राजकुमारको जन्मघर काशीवर्ण महावीरअर्थात् हाल पनौतीको प्रसिद्ध तलेजु भवानी नजिक हो । धेरैजसो बुद्धमार्गी पनौतीभन्दा नमोबुद्धस्थल जाने गरेको

पाइन्छ । उक्त गन्धमान पर्वत (हालको पर्यटकीय नमोबुद्ध)मा कल्पवृक्ष, रुद्राक्ष, अशोक, मसला, उत्तिस, सल्ला, अग्राख, लप्सी, कपुर, काफल, श्रीखण्डजस्ता सर्यौँ प्रकारका रुखबिरुवा तथा बाघ, भालु, बँदेल खरायो, हरिणजस्ता जन्तु पाइन्थ्यो । साथै, मयुर, हाँस, वनकुखुरालगायत पक्षी उक्त जङ्गलमा पाइने गरेकोमा हाल पाइन छाडेको लामा बताउँछन् । पनौतीबाट शङ्खु उपत्यका हुँदै र पर्यटकीय नगरी धुलिखेलबाट हाइकिङ गर्दै नमोबुद्ध पुग्न सकिन्छ । हाल उक्त स्थानमा विशाल गुम्बा, मन्दिर, गुम्बा र चैत्य छन् । गुम्बामा बुद्ध पाठशालासमेत सञ्चालनमा छ । केन्द्रीय राजधानी काठमाडौँबाट ३२ किलोमिटरको दूरीमा अवस्थित धुलिखेलबाट १८ किलोमिटर दक्षिणी दूरीमा नमोबुद्ध पर्दछ । यस क्षेत्रमा लामा, महायानी गुम्बा, ढुङ्गाद्वारा निर्मित ठूलाठूला बुद्धमूर्ति, चैत्य रहेका छन् । ‘नमोबुद्ध महासत्व देगाल’ सामान्य नेवारी घरशैलीको मन्दिर पनि रहेको छ । यस पर्वतबाट ऐतिहासिक पनौतीलगायतका हरियाली बस्ती तथा पूर्व–उत्तरतर्फका हिम शृङ्ख्ला र पहाडी मनमोहक दृष्यावलोकन गर्न सकिन्छ । रासस

बत्तीस वर्षपछि पनि उत्तिकै लोकप्रिय ‘कन्दरा’

काठमाडौँ । २६ वर्षअघिको कुनै दिन । सरभक्त श्रेष्ठका रचनाहरू कन्दरा ब्यान्डका ‘भोकलिस्ट’ विवेक श्रेष्ठको हातमा पर्यो । जुन रचना पढ्यो उत्तिकै लोभ लाग्दो । कुन रोज्ने, कुन छोड्ने ? गीत छनोटमा उनी दुविधामा परे । तिनै रचना मध्ये, ‘हडकङ पोखरा निर्मोही आफ्नो को छ र ?’ बोलको गीतमा गायक श्रेष्ठको नजर पर्यो । सोही गीत छनोट गरी गाए । जुन गीतले सोच्दै नसोचेको सफलता प्राप्त गर्यो । उक्त गीत हालसम्म पनि श्रोतामाझ उत्तिकै लोकप्रिय छ । श्रेष्ठ भन्छन्, ‘ऊ बेला काँचै उमेरको थिएँ । विदेसिनु के हो थाहा थिएन । ख्यालख्यालैमा रोजेर गाएको गीत अहिलेसम्म सदावहार छ ।’ श्रेष्ठले कन्दरा ब्यान्डका हरेक गीतमा यस्तै कथा र व्यथा समेटिएको बताए । नोस्टाल्जिक हुँदै उनले भने, ‘आफैँ विदेसिएपछि मात्तै यो गीतको मर्म महसुस गरें ।’ युवा विदेसिनुको घाउ दिनानुदिन चर्कँदै छ । यस गीतको लोकप्रियता युवा माझ कति थियो भन्ने कुरा गत शनिबार मात्तै ठमेलस्थित एलओडी क्लबमा कन्दरा ब्यान्डको कन्सर्टमा झल्कियो । ३२ वर्ष पुरानो यो ब्यान्डको ओझले दर्शक तानिएकै थिए । जब ‘हडकङ पोखरा ।’ गीत गायक विवेक श्रेष्ठले गाए । त्यसपछि दर्शकको उत्साहको सीमा रहेन । ‘वान्समोर’सँगै विवेकले त्यही गीत दोहोर्‍याएर गाउन बाध्य भए ।

‘विदेसिनु लेखियो कर्मैमा भाला रोपी नबोल ममैमा जीउ त हैन ढुङ्गाको छपनी आउँला माया नमरे म पनि हडकङ पोखरा निर्माही आफ्नो को छ र ?’

गायक श्रेष्ठले युवाको मन छुने गीतमध्ये यो निकै रुचाईएको बताए ।



विभिन्न कन्सर्टहरूमा प्रायः यही गीतको फर्माइस हुन्छ । विदेशमा होस् या स्वेदशमा, हडकङ पोखरा रोजाइमा पर्छ । ‘यो गीत मनपराउनुको खासियत प्रष्ट छ’, श्रेष्ठ भन्छन्, ‘दिनप्रति दिन युवाहरू पलायन हुने क्रम बढ्दो छ । यो गीतमा आफ्नै कथा पाउँछन् । त्यसैले रुचाइएको हुनुपर्छ ।’ हडकङ पोखराले समाजको जीवन्तता समेटे जस्तै कन्दरा ब्यान्डको इतिहास पनि रचेको छ । सन् १९९० को प्रारम्भमा पोखरामा स्थापित कन्दरा ब्यान्डले निरन्तर पप र आधुनिक गीत सङ्गीतको फ्युजनमार्फत युवा माझ बेग्लै छाप छोड्न सफल भएको छ । वर्ष गौँठको अवसरमा ब्यान्डले पहिलो पटक काठमाडौँमा कन्सर्ट गरेको गायक श्रेष्ठले बताए । ‘कन्दराका यस्ता अरु गीत पनि छन्, जुन सधैं ताजा र जवान छन्’, उनले भने, ‘नेपाली माटोका सुगन्ध समेटिएका गीत भएकादेखि सोताले हामीलाई अझै उत्तिकै माया गरिरहेका छन् ।’ यिनै कथा व्यथाको उत्सव मनाउन यति बेला कन्दरा ब्याण्डले ३२ वर्षपछि वार्षिक उत्सव मनाएको श्रेष्ठले बताए । कन्दराका गायक विवेक श्रेष्ठसहित गितारमा देव लामा, बेसिस्टमा पंकज झा, ड्रमरमा

सुनिल थापा, मादलमा अविनाश गायक र किबोर्डमा नील घतानी मञ्चमा प्रस्तुत भएका थिए । कन्दराले ‘तगारीमा रुमाल राखी बाटो छेकिन उनले’, ‘तिमी परी’, ‘लेकरी हे माया’, ‘विदेसिएर गइन् उनी’, ‘हडकङ पोखरा’ जस्ता चर्चित गीत प्रस्तुत गरेको थियो । आफ्ना गीतसँगै कन्दराले गोपाल योञ्जन, रञ्जित गजमेर लगायतका पाका पुस्ताका गीतसमेत प्रस्तुत गरेको थियो । वार्षिक उत्सव मनाउने क्रममा कन्दराले विश्वव्यापी अभियान स्वरुप ‘पहिले घर देश, अनि परदेश’ साङ्गीतिक याला सुरु गर्न लागेको हो । यो अभियान नेपाली सङ्गीतलाई नेपालमा मात्र नभई अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा पनि प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्य रहेको गायक श्रेष्ठले बताए । उनका अनुसार नेपाली संस्कृतिको गहिुराइ देखाउने उद्देश्यका साथ यो भ्रमण सन् २०२५ को जनवरीमा बेलायत र दुबई, फेब्रुअरीमा जापान, मार्च र अप्रिलमा अस्ट्रेलिया र न्यूजिल्याण्ड, मेमा अमेरिका, जुनमा क्यानडा र अन्तमा जुलाईदेखि अगस्टसम्म युरोपमा सम्पन्न हुनेछन् । रासस

नेता निधिद्वारा युवा संकल्प यात्रालाई जनकपुरधाममा स्वागत



मधेशदृष्टि

जनकपुरधाम ।

झापाको मेचीनगरबाट कांग्रेसको युवा संकल्प यात्रा सोमबार जनकपुरधाम पुगेको छ । नेपाली कांग्रेस महासमिति सदस्य एवम् नेपाल तरुण दलका पुर्व केन्द्रीय महामन्त्री भूपेन्द्रजंग शाहीलगायतको समन्वयमा युवा टोली मेचीनगरदेखि महेन्द्रनगरसम्म

संकल्प यात्रा गरिहेका छन् । सोमबार नेपाली कांग्रेसका पूर्व उपसभापति विमलेन्द्र निधिले आफ्नो निवास जनकपुरधाममा स्वागत तथा सम्मान गरेका छन् । प्रतिनिधि सभा सदस्य समेत रहेका नेता निधिले युवा संकल्प यात्राको सम्पूर्ण टिमलाई सफलताको शुभकामना दिए । भ्रष्टाचार उन्मुलन र सुशासन, युवालाई रोजगारीको

सुनिश्चितता, महँगी र मूल्यवृद्धि नियन्त्रणलगायत विभिन्न एजेन्डाहरूमा केन्द्रित रहेर पूर्व-पश्चिम संकल्प यात्रा शुरु गरिएको शाहीले बताए । उनले सरकार नागरिकमैली हुनुपर्ने, नागरिकलाई सहज जीवनयापनका लागि राहत तथा सहूलियत दिनुपर्ने, हरेक क्षेत्रमा युवाको अर्थपूर्ण प्रतिनिधित्व हुनुपर्ने पनि शाही बताए ।

सहकारी पीडितलाई तत्काल राहत तथा बचत फिर्ता गरिनुपर्ने, उद्यमशीलता, नवप्रवर्तन तथा कृषिमा लगानी वृद्धि गरिनुपर्ने, सहकारी बचत ठगी गर्नेलाई कारबाही गरिनुपर्ने बताए । 'गल्ली गर्नेहरू जेल जान्छन् यसमा आग्रह र पूर्वाग्रह भन्ने हुँदैन । हामी सरकारलाई आग्रह गर्दछौं- सहकारी बचत दुरुपयोग गर्ने जुनसुकै पार्टी भए पनि कारबाही गरिनुपर्छ,' 'वाइडबडी, गिरीबन्धु टीइस्टेलगायत काण्डबारे पनि यो सरकारले छानबिन गरौं ।' सहकारीमा नागरिकहरूले गरेको बचत फिर्ता हुनुपर्ने पनि उनले बताए । जनताको जीवनशैली परिवर्तनका लागि राजनीति केन्द्रित हुनुपर्ने शाहीले बताए । 'महँगी, मूल्यवृद्धि नियन्त्रणमा समेत सरकारले पहल गरौं ।' यात्रामा ४० जनाको टोली रहेको नेविसंघका केन्द्रीय सदस्य विनोद साही ठकुरीले जानकारी दिए । युवा संकल्प यात्रामा सविधानसभा सदस्य एवम् नेविसंघका पूर्व केन्द्रीय सभापति रंजित कुमार कर्ण, युवा नेताहरू धमेन्द्र नेम्वाङ, पशुपति पोखरेल, शेख वकिल, प्रेमिका राना, नरेश यादव, चन्द्रा देवी जोशी लगायत रहेका छन् । त्यस्तै राष्ट्रिय कलाकारहरू राधिका हमाल, उदिराम खड्का, सुनिल थापा, तेलिया विश्वकर्मा र उनीहरूले युवामैली सन्देशमूलक गीतहरूको माध्यमबाट सांस्कृतिक प्रस्तुति गर्दै आएको बताए । युवा संकल्प यात्रा कार्तिक २३ गतेदेखि आरम्भ भएको हो ।



सामा-चकेवा मूर्तिकला निर्माण कार्यशालामा सहभागीहरू: मैथिली मौलिक संस्कृतिको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्यले नेपाल ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान र मैथिली विकास कोषको आयोजनामा जनकपुरधाममा शुरु भएको सामा-चकेवा मूर्तिकला निर्माण कार्यशालामा सहभागीहरू । तस्विर: निरंजनकुमार साह/रासस

प्रादेशिक अस्पतालमा ६ महिनादेखि सिटी स्क्यान मेसिन बिग्रेर थन्कियो

अस्ट्रेलिया पठाइदिने भन्दै ठगी गर्ने पर्सोका बखेल र खनाल पक्राउ



मधेशदृष्टि

वीरगंज ।

वैदेशिक रोजगारीमा अस्ट्रेलिया पठाइदिने भन्दै ठगी गर्ने दुई जनालाई प्रहरीले पक्राउ गरेको छ । पक्राउ पर्नेमा पर्सोको पटेर्वा सुगौली गाउँपालिका-२ रङ्गपुर टाडी घर भई काठमाडौंको बृढानीलकण्ठ बस्ने ३४ वर्षीय

सुदीपचन्द्र बखेल र रङ्गपुर टाडी नै घर भई ललितपुरको सानेपा बस्ने ३३ वर्षीय सुरज खनाल रहेका छन् । बखेल र खनालले बेरोजगार युवायुवतीहरूलाई आकर्षक तलबको प्रलोभनमा पारी अस्ट्रेलिया लैजाने भन्दै १२ लाख रुपैयाँ उठाएर सम्पर्कविहीन भएका प्रहरीले जनाएको छ । उनीहरूलाई काठमाडौंको नक्सालबाट पक्राउ गरी जिल्ला प्रहरी परिसर काठमाडौं पठाइएको काठमाडौं उपत्यका अपराध अनुसन्धान कार्यालयका प्रहरी उपरीक्षक अंगुर जिसीले बताए ।

उपनिर्वाचनका लागि कांग्रेसले तोक्न थाले जिम्मेवारी

मधेशदृष्टि

जनकपुरधाम ।

नेपाली कांग्रेसले मधेश प्रदेशमा रहेका स्थानीय तहमा हुने उपनिर्वाचनका लागि नेता खटाएको छ । मधेश प्रदेश समितिको बैठकले नेताहरूलाई जिल्लागत जिम्मेवारी तोकेको छ । धनुषामा मधेशका पूर्वमन्त्री रामशरोज यादव, सप्तरीमा महामन्त्री उपेन्द्र यादव र सहमहामन्त्री परशुराम चौधरी, महोत्तरीमा नरेन्द्र यादव, रौतहटका लागि सहमहामन्त्री

जयनारायण यादव, प्रदेश सदस्य सूर्यबहादुर थापालाई जिम्मेवारी दिईएको छ । मंसिर १६ मा हुने उपनिर्वाचनमा मधेशमा सप्तरी २, धनुषा १, महोत्तरी १ र रौतहट ३ का गरी ७ वटा वडा अध्यक्षका लागि निर्वाचन हुँदैछ । प्रदेश समिति बैठकले निर्वाचन हुने वडामा उप समिति बनाई र परिचालन गर्ने निर्णय भएको मधेश प्रदेशका प्रचार विभाग प्रमुख नितेश गुप्ताले जानकारी दिए । उक्त बैठकले आवश्यकता अनुसार

निर्णय गरेको छ । पार्टी केन्द्रबाट सञ्चालित १०० दिने केन्द्रीय अभियान र क्रियाशील सदस्यता वितरण लगायतका विषयमा छलफल भएको गुप्ताले जानकारी गराए । तल्लो तहसम्म कांग्रेस एमालेको संयन्त्र बनाउने केन्द्रको निर्णय अनुसार कांग्रेसका मधेश प्रदेश सभापति कृष्ण यादवको संयोजकत्वमा तीन सदस्य संयन्त्र बनाइएको छ । सरकारलाई सफल बनाउन स्तरीय दुई दलीय राजनीतिक संयन्त्र बनाएको कांग्रेसले जनाएको छ ।

उपनिर्वाचनका लागि निर्वाचन अधिकृत नियुक्त

मधेशदृष्टि

वीरगंज ।

स्थानीय तह उपनिर्वाचनका लागि निर्वाचन आयोगले निर्वाचन अधिकृत नियुक्त गरेको छ । १६ मंसिरमा हुने उपनिर्वाचनका लागि ३२ जना जिल्ला न्यायाधीश, ६ जना राजपञ्चाङ्गित कर्मचारीलाई तोकिएको आयोगले जानकारी गराएको छ । सप्तरीको डाकेश्वरी नगरपालिका वडा नम्बर १ र ४ मा अध्यक्षका लागि हुने निर्वाचनका लागि जिल्ला अदालत सप्तरीका न्यायाधीश दीपककुमार दाहाललाई तोकिएको छ । यसैगरी धनुषाको धनुषाधाम नगरपालिका वडा नम्बर १ मा धनुषा जिल्ला अदालतका न्यायाधीश चुरामन खड्कालाई नियुक्त गरिएको छ । यस्तै महोत्तरीको रामगोपालपुर नगरपालिका-२ मा अध्यक्षका लागि हुने निर्वाचनका लागि महोत्तरी जिल्ला अदालतका न्यायाधीश राजकुमार कोइरालालाई मुख्य निर्वाचन अधिकृत तोकिएको छ ।

त्यसैगरी रौतहटको ईशनाथ-७ मा रौतहट जिल्लामा अदालतका न्यायाधीश मनोज केसी, राजपुर नगरपालिका-६ का रौतहट जिल्ला अदालतका सेस्तेदार उद्भवकुमार ढोडारीलाई तोकिएको छ । रौतहटकै गढीमाई नगरपालिका वडा नम्बर ८ मा हुने निर्वाचनका लागि जिल्ला सरकारी वकिल

कार्यालय रौतहटका जिल्ला न्यायाधिवक्ता मुहम्मद मुन्नालाई निर्वाचन अधिकृतको जिम्मा दिइएको छ । ३० कात्तिकमा सम्बन्धित स्थानमा निर्वाचन अधिकृतको कार्यालय स्थापना हुने आयोगले जनाएको छ । दुई जिल्लामा जिल्ला समन्वय समितिको प्रमुख सहित १६ मंसिरमा निर्वाचन हुँदैछ ।

छात्राहरूको लागि आत्मा रक्षा तालिम हुने

मधेशदृष्टि

वीरगंज ।

वीरगंज महानगरपालिकाको आयोजना तथा नेपाल भारत सहयोग मंचको समन्वयमा सयौं छात्रालाई आत्मरक्षा तालिम हुने भएको छ । बुधबार आदर्शनगरस्थित रंगशालामा आत्मरक्षा तालिम दिने बारे विभिन्न संघ संस्थाका पदाधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी,

कर्मचारीसँग वीरगंज महानगरले छलफल गरेको छ । सोमबार महानगरका मेयर राजेशमान सिंहको अध्यक्षतामा बसेको बैठकले छात्राहरूलाई आत्मरक्षा तालिम दिने तयारी बारे छलफल गरेको हो । पहिलोपटक करिब ५ हजारको संख्यामा छात्राहरूलाई सहभागी गराएर आत्मरक्षाका लागि तालिम गर्न लागेको मेयर सिंहले बताए ।

बडा और मजबूत (8 मॉड्यूल 13X23)
क्रॉउन और पिनियन

अधिकतम गति (55 मिमी घंटा घुमा)
दुसिमिशन शाफ्ट
बड़े आकार के बेलिंग

AGRO SOLUTIONS
by **SONALIKA**

HEAVY DUTY CHALLENGER
ROTARY TILLER

कृषि विभाग द्वारा संचालित
के लिए
जातवा

2 YEAR WARRANTY

DIESEL SAVER

नेपालका लागि आधिकारिक बिक्रेता :

देवकी ट्रेडर्स

मो. 9855021614